



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 344]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 11, 2018/भाद्र 20, 1940

No. 344]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 11, 2018/BHADRA 20, 1940

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 11 सितम्बर, 2018

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

[प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेना (बाय-बैक)] विनियम, 2018

सं. सेबी/एलएडी-एन.आर. ओ./जीएन/2018/32.—बोर्ड, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 68 की उप-धारा (2) के खंड (च) के साथ पठित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 11 की उप-धारा (1) एवं (2) तथा धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा, निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:-

अध्याय-I

प्रारंभिक

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

- (i) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेना (बाय-बैक)] विनियम, 2018 कहा जा सकेगा।
- (ii) ये विनियम राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

परिभाषाएँ

- (i) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:-

- क) 'अधिनियम' से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है;
- ख) 'सहयोगी' (सहयुक्त / असोसिएट) में वह व्यक्ति शामिल है,-
- i) जो प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से स्वयं या नातेदारों के साथ मिलकर, कंपनी पर नियंत्रण रखता हो या,
 - ii) जिसका कर्मचारी, अधिकारी या निदेशक कंपनी का भी निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी हो;
- ग) 'बोर्ड' से अधिनियम की धारा 3 के तहत स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) अभिप्रेत है;
- घ) 'क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) की अवधि' से कंपनी के शेयरों को क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) के संबंध में प्राधिकृत करने के लिए, यथास्थिति, निदेशक मंडल के संकल्प (रेज़ोल्यूशन) की तारीख या विशेष संकल्प हेतु डाक मतपत्र के परिणामों की घोषणा की तारीख और जिन शेयरधारकों ने क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) संबंधी प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया हो उन्हें प्रतिफल (पैसे) / कन्सिडरेशन का भुगतान किए जाने की तारीख के बीच की अवधि अभिप्रेत है;
- ङ) 'नियंत्रण' का वही अर्थ है, जैसा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 [सेबी (सब्सटैंशियल एक्विज़ीशन ऑफ शेयर्स एंड टेकओवर्स) रेग्यूलेशन, 2011] के विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खंड (ङ) में परिभाषित है;
- च) 'कंपनी' से कंपनी अधिनियम के तहत यथा परिभाषित वह कंपनी अभिप्रेत है, जिसके शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ (सिक्यूरिटीज़) स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध (लिस्टिड) हों और जो ऐसे शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों का इन विनियमों के अनुसार क्रय करती (खरीदती) हो या क्रय करने का इरादा रखती हो;
- छ) 'कंपनी अधिनियम' से कंपनी अधिनियम, 2013 अभिप्रेत है;
- ज) 'अंतरंग व्यक्ति' (इनसाइडर) से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 2015 [सेबी (प्रोहिबिशन ऑफ इनसाइडर ट्रेडिंग) रेग्यूलेशन, 2015] के विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खंड (छ) में यथा परिभाषित अंतरंग व्यक्ति अभिप्रेत है;
- झ) 'मर्चेन्ट बैंककार' (मर्चेन्ट बैंकर) से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) विनियम, 1992 [सेबी (मर्चेन्ट बैंकर्स) रेग्यूलेशन, 1992] के विनियम 2 के खंड (गख) में यथा परिभाषित तथा अधिनियम की धारा 12 के तहत रजिस्ट्रीकृत मर्चेन्ट बैंककार (मर्चेन्ट बैंकर) अभिप्रेत है;
- ञ) 'ऑड लॉट' से उस कंपनी के शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों के लॉट अभिप्रेत हैं, जिसके शेयर मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध (लिस्टिड) हों, जो ऐसे विपणनयोग्य (मार्केटेबल / खरीद-बिक्री किए जाने योग्य) लॉट से छोटे हों, जैसा स्टॉक एक्सचेंज द्वारा निर्धारित किया जाए;
- ट) 'संप्रवर्तक' (प्रमोटर) से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खंड (ध) में यथा-परिभाषित संप्रवर्तक अभिप्रेत है;

- ठ) 'रजिस्ट्रार' से निर्गम रजिस्ट्रार (रजिस्ट्रार टू एन इश्यू) अभिप्रेत है और जिसमें अधिनियम की धारा 12 के तहत रजिस्ट्रीकृत शेयर अंतरण अभिकर्ता (शेयर ट्रांसफर एजेंट) शामिल है;
- ड) 'प्रतिभूतियों' (सिक्यूरिटीज़) से प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 2 के खंड (ज) में यथा परिभाषित 'प्रतिभूतियाँ' अभिप्रेत हैं;
- ढ) 'छोटे शेयरधारक' से कंपनी का वह शेयरधारक अभिप्रेत है, जो ऐसे शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ धारण करता हो जिनका बाजार मूल्य, उस मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों के बंद भाव (अंतिम कीमत) के आधार पर, रिकार्ड तिथि को दो लाख रुपये से अधिक न हो, जिसमें ऐसी प्रतिभूतियों की बाबत व्यापारिक मात्रा सबसे अधिक हो;
- ण) 'निर्धारित प्रतिभूतियों' में कर्मचारी स्टॉक विकल्प या अन्य प्रतिभूतियाँ शामिल हैं, जैसा केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाए;
- त) 'कानूनी लेखापरीक्षक' (स्टेच्यूटरी ऑडिटर) से कंपनी अधिनियम की धारा 139 के तहत कंपनी द्वारा नियुक्त लेखापरीक्षक (ऑडिटर) अभिप्रेत है;
- थ) 'स्टॉक एक्सचेंज' से वह स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है, जिसे प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 4 के तहत मान्यता प्रदान की गई हो;
- द) 'शेयर सौंपने का प्रस्ताव' (टेंडर ऑफ़र) से कंपनी द्वारा कंपनी के शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों के धारकों से प्रस्ताव-पत्र (लेटर ऑफ़ ऑफ़र) के माध्यम से अपने शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक ऑफ़ सिक्यूरिटीज़) के लिए लाया जाने वाला प्रस्ताव अभिप्रेत है;
- ध) 'अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी' का वही अर्थ होगा, जैसा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 2015 [सेबी (प्रोहिबिशन ऑफ़ इनसाइडर ट्रेडिंग) रेग्यूलेशन्स, 2015] के विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खंड (ढ) में परिभाषित है;
- न) 'कार्य-दिवस' से बोर्ड का कोई कार्य-दिवस अभिप्रेत है।
- (ii) अन्य सभी पदों, यदि यहाँ परिभाषित न हों, के वही अर्थ होंगे जो, यथास्थिति, अधिनियम या प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 या कंपनी अधिनियम या उनके किसी कानूनी संशोधन या पुनःअधिनियमिति के तहत उनके लिए नियत किए गए हों।

अध्याय-II

क्रय द्वारा वापस लेने संबंधी शर्तें

लागू होना

3. ये विनियम कंपनी अधिनियम के लागू प्रावधानों के अनुसार कंपनी के शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) के प्रति लागू होंगे।

शेयरों और निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेने संबंधी शर्तें और अपेक्षाएँ

4. (i) किसी बाय-बैक की अधिकतम सीमा कंपनी की समादत्त पूँजी (पेड-अप कैपिटल) और खुली आरक्षितियों (फ्री रिज़र्व्स) के योग की पच्चीस प्रतिशत या उससे कम होगी:

स्पष्टीकरण: किसी वित्तीय वर्ष में इक्विटी शेयरों को क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) के संबंध में, इस विनियम में उल्लिखित पच्चीस प्रतिशत का अर्थ उस वित्तीय वर्ष में उसकी कुल समादत्त इक्विटी पूँजी की बाबत लगाया जाएगा;

(ii) क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) के पश्चात् कंपनी के कुल जमानती ऋणों (सिक्योर्ड डैट) और गैर-जमानती ऋणों (अनसिक्योर्ड डैट) के योग का अनुपात समादत्त पूँजी (पेड-अप कैपिटल) और खुली आरक्षितियों (फ्री रिज़र्व्स) के दुगने से अधिक नहीं होगा:

परंतु यह कि यदि कंपनी की पूँजी और खुली आरक्षितियों से ऋण का अधिक अनुपात कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत अधिसूचित किया गया हो, तो वही अभिभावी होगा।

(iii) क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) हेतु सभी शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ पूर्णतः समादत्त होंगी।

(iv) कंपनी नीचे दी हुई पद्धतियों में से कोई भी एक पद्धति अपनाकर अपने शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस ले (का बाय-बैक कर) सकेगी:

क) अपने मौजूदा शेयरधारकों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों के धारकों से - समानुपातिक आधार पर शेयर सौंपने का प्रस्ताव (टेंडर ऑफर) लाकर;

ख) खुले बाजार (ओपन मार्केट) से -

i) बही-निर्माण प्रक्रिया (बुक-बिल्डिंग प्रोसेस) के माध्यम से,

ii) स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से;

ग) ऑड-लॉट होल्डर्स से:

परंतु यह कि कंपनी की समादत्त पूँजी और खुली आरक्षितियों के पंद्रह प्रतिशत या उससे अधिक हेतु क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) संबंधी कोई भी प्रस्ताव खुले बाजार में नहीं लाया जाएगा।

(v) कंपनी अपने शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को इस तरह से क्रय द्वारा वापस नहीं लेगी (का बाय-बैक नहीं करेगी) कि स्टॉक एक्सचेंज से उसके शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ असूचीबद्ध (डीलिस्ट) हो जाएँ।

(vi) कंपनी किसी भी व्यक्ति से मोल-भाव करके अपने शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस नहीं लेगी (का बाय-बैक नहीं करेगी), फिर चाहे ऐसा स्टॉक एक्सचेंज में किया जाए या स्टॉक एक्सचेंज के बाहर, अथवा चाहे हाजिर लेनदेनों (स्पॉट ट्रांजेक्शन्स) के जरिए किया जाए या किसी निजी व्यवस्था (इंतजाम) के जरिए।

(vii) कंपनी, क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) के पिछले प्रस्ताव, यदि कोई हो, के अंतर्गत बाय-बैक की अवधि समाप्त होने की तारीख से शुरू होने वाली एक वर्ष की अवधि के भीतर, क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) का कोई प्रस्ताव नहीं लाएगी।

(viii) कंपनी तब तक अपने शेयरों को क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक करने) की अनुमति नहीं देगी, जब तक उसकी शेयरपूँजी (शेयर कैपिटल) में कमी न आ जाए।

(ix) कंपनी निम्नलिखित में से अपने शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस ले (का बाय-बैक कर) सकेगी -

(क) अपनी खुली आरक्षितियों (फ्री रिज़र्व्स) में से;

(ख) प्रतिभूति प्रीमियम खाते (सिक्यूरिटीज़ प्रीमियम अकाउंट) में से; या

(ग) किन्हीं शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों के निर्गम (इश्यू) से आए पैसों (प्रोसीड्स) में से:

परंतु यह कि ऐसा कोई भी बाय-बैक (क्रय द्वारा वापस लेना) उसी प्रकार के शेयरों या उसी प्रकार की अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों के पिछले निर्गम (इश्यू) से आए पैसों (प्रोसीड्स) में से नहीं किया जाएगा।

(x) कोई भी कंपनी, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, अपने शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को :

(क) किसी समनुषंगी (सब्सिडियरी) कंपनी (जिसमें उसकी अपनी समनुषंगी कंपनियाँ शामिल हैं) के माध्यम से नहीं खरीदेगी;

(ख) किसी निवेश कंपनी (इन्वेस्टमेंट कंपनी) या निवेश कंपनियों के समूह (ग्रुप) के माध्यम से नहीं खरीदेगी;

(ग) नहीं खरीदेगी, यदि कंपनी द्वारा, कंपनी अधिनियम के या तो प्रारंभ होने से पहले या प्रारंभ होने के बाद स्वीकार की गई जमाओं (डिपॉज़िट) को वापस लौटाने के संबंध में, उस पर मिले ब्याज को अदा करने के संबंध में, डिबेंचरों या अधिमानी (प्रेफरेंस) शेयरों के मोचन (रिडेंप्शन) के संबंध में अथवा किसी शेयरधारक को लाभांश (डिविडेंड) अदा करने के संबंध में, अथवा किसी वित्तीय संस्था या बैंकिंग कंपनी को किसी मीयादी ऋण (टर्म लोन) को वापस लौटाने के संबंध में या उसका ब्याज अदा करने के संबंध में कोई चूक (डिफॉल्ट) की गई हो:

परंतु यह कि उस दशा में क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक करने) पर प्रतिषेध नहीं है, जब चूक (डिफॉल्ट) में सुधार कर लिया गया हो और ऐसी चूक में सुधार किए जाने के पश्चात् तीन वर्षों की अवधि बीत चुकी हो।

क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) के संबंध में पालन किए जाने संबंधी और दस्तावेज आदि दाखिल किए जाने (फाइलिंग) संबंधी सामान्य अपेक्षाएँ

5. (i) कंपनी किसी बाय-बैक [फिर चाहे वह शेयर सौंपने का प्रस्ताव लाकर (टेंडर ऑफर के माध्यम से) किया जाए या फिर खुले बाजार से या ऑड लॉट के माध्यम से किया जाए] को तब तक प्राधिकृत नहीं करेगी, जब तक कि:

क) बाय-बैक कंपनी के अनुच्छेदों (आर्टिकल) द्वारा प्राधिकृत न हो;

ख) कंपनी की साधारण बैठक में क्रय द्वारा वापस लिए जाने (बाय-बैक) को प्राधिकृत करते हुए विशेष संकल्प न पारित कर दिया जाए:

परंतु यह कि इस खंड में दी हुई कोई भी बात उस मामले में लागू नहीं होगी, जहाँ बाय-बैक कंपनी की कुल समादत्त इक्विटी पूँजी और खुली आरक्षितियों का दस प्रतिशत या उससे कम हो; और ऐसे बाय-बैक को निदेशक मंडल द्वारा उसकी बैठक में संकल्प (रेज़ोल्यूशन) पारित करके प्राधिकृत कर दिया गया हो।

- (ii) प्रत्येक बाय-बैक, यथास्थिति, साधारण बैठक में विशेष संकल्प पारित किए जाने, या कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा संकल्प पारित किए जाने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर पूरी कर ली जाएगी।
- (iii) कंपनी, क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) की अवधि पूरी होने के पश्चात्, कंपनी रजिस्ट्रार और बोर्ड के पास, तीस दिनों के भीतर, एक विवरणी (रिटर्न) [जिसमें क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) से संबंधित विवरण दिए जाएँ] उसी फॉर्मेट में दाखिल करेगी, जो कंपनी (शेयर पूँजी और डिबेंचर) नियम, 2014 [कंपनीज़ (शेयर कैपिटल एंड डिबेंचर) रूल्स, 2014] में दिया हुआ है।
- (iv) जहाँ क्रय द्वारा वापस लिए जाने (बाय-बैक) को प्राधिकृत करने के लिए विशेष संकल्प जरूरी हो, वहाँ कंपनी अधिनियम की धारा 102 के अनुसरण में साधारण बैठक हेतु दी जाने वाली सूचना (नोटिस) के साथ लगाए जाने वाले व्याख्यात्मक विवरण (एक्सप्लेनेटरी स्टेटमेंट) के अंतर्गत उसमें उल्लिखित अनिवार्य प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) और साथ ही निम्नलिखित प्रकटीकरण भी किए जाएंगे:
- क) कंपनी अधिनियम की धारा 68 की उप-धारा 3 के तहत प्रकटीकरण –
- सभी महत्वपूर्ण तथ्यों का पूरा-पूरा प्रकटीकरण;
 - क्रय द्वारा वापस लेना (बाय-बैक करना) जरूरी क्यों है;
 - बाय-बैक के तहत किस-किस वर्ग के शेयरों या प्रतिभूतियों को क्रय करने (को खरीदे जाने) का इरादा है;
 - बाय-बैक के तहत कितनी रकम का निवेश किया जाना है; और
 - बाय-बैक को पूरा करने की समय-सीमा क्या होगी।
- ख) इन विनियमों के तहत अतिरिक्त प्रकटीकरण, जैसा **अनुसूची-1** में दिया हुआ है,
- ग) परंतु यह कि जहाँ बाय-बैक प्रतिभूतियों के मौजूदा धारकों से शेयर सौंपने का प्रस्ताव (टेंडर ऑफर) लाकर किया जाए, वहाँ व्याख्यात्मक विवरण के अंतर्गत निम्नलिखित अतिरिक्त प्रकटीकरण किए जाएँगे:
- वह अधिकतम कीमत जिस पर शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लिया (का बाय-बैक किया) जाएगा और यह कि क्या साधारण बैठक में कंपनी के निदेशक मंडल को बाद में वह विशिष्ट कीमत तय करने के लिए प्राधिकृत किया जा रहा है जिस पर उपयुक्त समय आने पर क्रय द्वारा वापस लिया (बाय-बैक किया) जा सकेगा;
 - यदि संप्रवर्तक (प्रमोटर) अपने शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ देना चाहता हो, तो जिन शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को सौंपे जाने का प्रस्ताव हो उनकी मात्रा कितनी है और क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) हेतु विशेष संकल्प पारित किए जाने से छह महीने पहले तक उनके लेनदेनों (ट्रांजेक्शन्स) और उनकी धारिता (होल्डिंग) के व्यौरे, जिसके अंतर्गत अर्जित किए गए शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों की संख्या, अर्जन की कीमत और तारीख से संबंधित जानकारी भी शामिल हो।
- (v) कंपनी अधिनियम की धारा 68 की उप-धारा (2) के तहत साधारण बैठक में पारित किए गए संकल्प की एक प्रति बोर्ड और उन स्टॉक एक्सचेंजों के पास, संकल्प पारित किए जाने की तारीख से सात दिनों के भीतर, दाखिल की जाएगी, जहाँ कंपनी के शेयर और अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हों।

- (vi) जहाँ खुले बाजार से [या तो स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से या बही-निर्माण (बुक बिल्डिंग) के माध्यम से] क्रय द्वारा वापस लिया (बाय-बैक किया) जाता हो, वहाँ निदेशक मंडल के संकल्प में उस अधिकतम कीमत का उल्लेख होगा, जिस पर क्रय द्वारा वापस लिया (बाय-बैक किया) जाएगा:

परंतु यह कि जहाँ इन विनियमों के विनियम 5 के उप-विनियम 1 के खंड (ख) में यथा-निर्धारित विशेष संकल्प जरूरी हो, वहाँ विशेष संकल्प में उस अधिकतम कीमत का भी उल्लेख होगा, जिस पर क्रय द्वारा वापस लिया (बाय-बैक किया) जाएगा।

- (vii) कंपनी अधिनियम की धारा 68 की उप-धारा (2) के खंड (ख) के परंतुक के तहत अपने शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक करने) के संबंध में निदेशक मंडल द्वारा उसकी बैठक में पारित किए गए संकल्प द्वारा प्राधिकृत कंपनी, बोर्ड और उन स्टॉक एक्सचेंजों के पास, संकल्प पारित किए जाने की तारीख से दो कार्य-दिवसों के भीतर, संकल्प की प्रति दाखिल करेगी, जहाँ कंपनी के शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध (लिस्टिड) हों।
- (viii) कोई भी अंतरंग व्यक्ति (इनसाइडर) कंपनी के शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेने (का बाय-बैक करने) से संबंधित अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी के आधार पर कंपनी के शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों में लेनदेन (डील) नहीं करेगा।

अध्याय-III

शेयर सौंपने का प्रस्ताव लाकर (टेंडर ऑफर के माध्यम से) क्रय द्वारा वापस लेना (बाय-बैक करना)

6. कंपनी, इस अध्याय के प्रावधानों के अनुसार, अपने शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को अपने मौजूदा धारकों से समानुपातिक आधार पर क्रय द्वारा वापस ले (बाय-बैक कर) सकेगी:

परंतु यह कि कंपनी जितनी प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेने (को बाय-बैक) का प्रस्ताव करती हो उतनी प्रतिभूतियों की संख्या का पंद्रह प्रतिशत या उनकी शेयरधारिता के अनुसार वे जितनी प्रतिभूतियों के हकदार हों उतनी संख्या में प्रतिभूतियों (जो भी ज्यादा हो) को छोटे शेयरधारकों हेतु आरक्षित रखा जाएगा।

सार्वजनिक घोषणा के संबंध में प्रकटीकरण संबंधी अपेक्षाएँ, दस्तावेज आदि दाखिल किए जाने संबंधी अपेक्षाएँ और समय-सीमाएँ:

7. (i) जिस कंपनी को, यथास्थिति, विशेष संकल्प द्वारा या निदेशक मंडल द्वारा पारित किए गए संकल्प द्वारा प्राधिकृत किया गया हो, वह कंपनी विशेष संकल्प हेतु डाक मतपत्र के परिणाम घोषित किए जाने / निदेशक मंडल का संकल्प पारित किए जाने की तारीख से दो कार्य-दिवसों के भीतर, व्यापक परिचालन वाले एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र, व्यापक परिचालन वाले एक हिन्दी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र तथा उस स्थान पर व्यापक परिचालन वाले प्रादेशिक भाषा के एक दैनिक समाचारपत्र में सार्वजनिक घोषणा करेगी जहाँ कंपनी का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित हो, और उस सार्वजनिक घोषणा में वह समस्त महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी जिसका उल्लेख **अनुसूची-II** में किया गया है।
- (ii) सार्वजनिक घोषणा करने के साथ-साथ, उसकी प्रति (उसकी सॉफ्ट कॉपी सहित), मर्चेन्ट बैंककार (बैंकर) के माध्यम से, बोर्ड के पास प्रस्तुत की जाएगी।

प्रारूप प्रस्ताव-पत्र के संबंध में प्रकटीकरण संबंधी अपेक्षाएँ, दस्तावेज आदि दाखिल किए जाने संबंधी अपेक्षाएँ और समय-सीमाएँ

8. (i) कंपनी, सार्वजनिक घोषणा किए जाने से पाँच कार्य-दिवसों के भीतर, बोर्ड के पास निम्नलिखित दाखिल करेगी:

क) मर्चेट बैंककार (बैंकर) [जो कंपनी से जुड़ा हुआ न हो] के माध्यम से प्रारूप प्रस्ताव-पत्र (ड्राफ्ट लेटर ऑफ ऑफर) [सॉफ्ट कॉपी सहित], जिसमें **अनुसूची-III** के अनुसार प्रकटीकरण किए गए हों।

ख) निर्धारित फॉर्म में और उसी प्रकार शोधन-क्षमता (सॉलवेन्सी) की घोषणा, जैसा कंपनी अधिनियम की धारा 68 की उप-धारा (6) में निर्धारित किया हुआ है।

ग) **अनुसूची-V** में निर्धारित फीस।

(ii) बोर्ड प्रारूप प्रस्ताव-पत्र प्राप्त होने से सात कार्य-दिवसों के भीतर प्रारूप प्रस्ताव-पत्र पर अपनी टिप्पणियाँ दे सकेगा:

परंतु यह कि यदि बोर्ड ने क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) संबंधी प्रस्ताव के मर्चेट बैंककार (बैंकर) से स्पष्टीकरण या और जानकारी माँगी हो, तो टिप्पणियाँ जारी करने की अवधि मांगे गए स्पष्टीकरण या मांगी गई और जानकारी के प्रति संतोषजनक उत्तर प्राप्त होने की तारीख से सातवें कार्य-दिवस तक बढ़ जाएगी:

परंतु यह और कि यदि बोर्ड कोई परिवर्तन सूचित करता है, तो क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) संबंधी प्रस्ताव का मर्चेट बैंककार (बैंकर) और कंपनी, शेयरधारकों को प्रस्ताव-पत्र प्रेषित किए जाने से पहले, प्रस्ताव-पत्र में ऐसे परिवर्तन कर लेंगे।

प्रस्ताव की प्रक्रिया

9. (i) क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) संबंधी प्रस्ताव लाने वाली कंपनी सार्वजनिक घोषणा में यह तय करने के प्रयोजनार्थ रिकॉर्ड तिथि की घोषणा करेगी कि क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) संबंधी प्रस्तावित प्रस्ताव (ऑफर) में हिस्सा लेने हेतु पात्र प्रतिभूति धारकों की हकदारी कितनी है और उनके नाम क्या हैं।

(ii) प्रस्ताव-पत्र के साथ शेयर सौंपने हेतु फॉर्म (टेंडर फॉर्म) प्रतिभूतियों के उन धारकों को, बोर्ड से टिप्पणियाँ प्राप्त होने से पाँच कार्य-दिवसों के भीतर, प्रेषित किए जाएंगे, जो उप-विनियम (i) के अनुसार क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) संबंधी प्रस्ताव में हिस्सा लेने के पात्र हों।

स्पष्टीकरण:

(क) प्रस्ताव-पत्र कंपनी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक रूप में भी प्रेषित किया जा सकेगा।

(ख) प्रस्ताव-पत्र की कागज़ी प्रति प्राप्त करने के संबंध में किसी शेयरधारक से अनुरोध प्राप्त होने पर, उसकी कागज़ी प्रति प्रदान कर दी जाएगी।

(ग) प्रस्ताव-पत्र में उपरोक्त बातें प्रकट की जाएँगी।

(iii) भले ही किसी पात्र सार्वजनिक शेयरधारक (पब्लिक शेयरहोल्डर) को शेयर सौंपने संबंधी प्रस्ताव (टेंडर ऑफर) / प्रस्ताव का फॉर्म प्राप्त न हुआ हो, तो भी वह क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक करने) संबंधी प्रस्ताव में उसी प्रकार हिस्सा ले सकेगा और शेयर सौंप सकेगा, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

(iv) अरजिस्ट्रीकृत शेयरधारक भी, अपने नाम पर शेयर अंतरित (ट्रांसफर) किए जाने हेतु विधिवत् रूप से किए गए अंतरण विलेख (ट्रांसफर डीड) के साथ प्रस्ताव का फॉर्म और अंतरण हेतु अपेक्षित अन्य संबंधित दस्तावेज (यदि कोई हों) प्रस्तुत करके, क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) हेतु अपने शेयर सौंप सकेगा।

(v) प्रस्ताव (ऑफर) खोले जाने की तारीख प्रस्ताव-पत्र प्रेषित किए जाने की तारीख से पाँच कार्य-दिवसों के बाद की नहीं होगी।

(vi) क्रय द्वारा वापस लेने हेतु प्रस्ताव दस कार्य-दिवसों की अवधि तक खुला रहेगा।

(vii) कंपनी स्टॉक एक्सचेंज की व्यवस्था के जरिए शेयरधारकों द्वारा शेयर सौंपने और उनके निपटान (सेटलमेंट) की प्रक्रिया उसी प्रकार प्रदान करेगी जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

(viii) कंपनी प्रतिभूतियों के धारकों से शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ रिकॉर्ड तिथि तक की स्थिति के अनुसार उनकी हकदारी के आधार पर स्वीकार करेगी।

(ix) जिन शेयरों को क्रय द्वारा वापस लिए जाने का प्रस्ताव हो, उन्हें दो वर्गों में बांटा जाएगा: (क) छोटे शेयरधारकों हेतु आरक्षित वर्ग और (ख) अन्य शेयरधारकों का सामान्य वर्ग, और प्रत्येक वर्ग में शेयरधारक की हकदारी की गणना तदनुसार की जाएगी।

‘स्पष्टीकरण: छोटे शेयरधारकों की पहचान हेतु अनेक डी-मैट खातों की धारिताओं (होल्डिंग्स) को एकसाथ मिला दिया जाएगा, यदि सभी धारकों की स्थायी खाता संख्या का क्रम मेल खाता हो। उसी प्रकार, कागज़ी रूप में शेयर धारण करने वाले शेयरधारकों के मामले में, यदि संयुक्त धारकों के नामों का क्रम मेल खाता हो, तो ऐसे फोलियो के तहत जो धारिता है उसे छोटे शेयरधारक की पहचान हेतु एकसाथ मिला दिया जाएगा।’

(x) हकदारी के आधार पर सौंपे गए शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ स्वीकार करने के पश्चात्, यदि किसी एक वर्ग में ऐसे शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ हों जिनका बाय-बैक शेष हो, को, उस वर्ग में प्रतिभूतियों के धारकों द्वारा प्रस्ताव (ऑफर) में उनकी हकदारी से अधिक सौंपे गए शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों के अनुपात में, पहले स्वीकार किया जाएगा, और उसके बाद दूसरे वर्ग में प्रतिभूतियों के उन धारकों से जिन्होंने अपनी हकदारी से अधिक शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ सौंपी हों।

(xi) निलंब खाता (एस्क्रो अकाउंट)

(क) कंपनी, विनियमों के तहत अपनी बाध्यताओं को पूरा करने के लिए जमानत (सिक्यूरिटी) के तौर पर, प्रस्ताव के खुलने तक, उतनी रकम निलंब खाते में जमा करा देगी, जितनी खंड (ख) में निर्धारित की जाए;

(ख) निलंब रकम (एस्क्रो अमाउंट) निम्नलिखित तरीके से देय होगी:

(i) यदि देय प्रतिफल (कन्सिडरेशन) 100 करोड़ रुपये से अधिक न हो; तो देय प्रतिफल का 25 प्रतिशत;

(ii) यदि देय प्रतिफल (कन्सिडरेशन) 100 करोड़ रुपये से अधिक हो; तो 100 करोड़ रुपये तक 25 प्रतिशत और उसके बाद 10 प्रतिशत।

(ग) इस विनियम में उल्लिखित निलंब खाता निम्नलिखित से मिलकर बनेगा,

(i) अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक में जमा नकदी, या

(ii) मर्चेन्ट बैंककार (बैंकर) के पक्ष में बैंक गारंटी, या

(iii) मर्चेन्ट बैंककार (बैंकर) के पास जमा स्वीकारयोग्य प्रतिभूतियाँ (उपयुक्त मार्जिन रखते हुए), या

(iv) (i), (ii) और (iii) तीनों से ।

स्पष्टीकरण: निलंब खाते में पड़ी नकदी को ऐसे खाते में रखा जा सकेगा, जिस पर ब्याज मिलता हो, परंतु यह कि मर्चेट बैंककार (बैंकर) यह सुनिश्चित करे कि पैसा (फंड) उस समय उपलब्ध रहे जब शेयरधारकों को भुगतान करना हो ।

(घ) जहाँ निलंब खाता अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक के पास जमा रकम (डिपॉजिट) से बना हो, तो कंपनी खाता खोलते समय, मर्चेट बैंककार (बैंकर) को अधिकार प्रदान करेगी, जिसके अनुरूप वह बैंक को निलंब खाते में पड़ी रकम में से भुगतान करने का अनुदेश दे सके, जैसा इन विनियमों में उल्लेख है ।

(ङ) जहाँ निलंब खाता बैंक गारंटी से बना हो, वहाँ ऐसी बैंक गारंटी मर्चेट बैंककार (बैंकर) के पक्ष में होगी और जो बाय-बैंक के अवधि के समाप्त / पूरा होने के पश्चात् तीस दिनों तक मान्य रहेगी ।

(च) यदि निलंब खाता प्रतिभूतियों से बना हो, तो कंपनी मर्चेट बैंककार (बैंकर) को बिक्री आदि करके या अन्य तरीके से ऐसे निलंब खाते का मूल्य प्राप्त करने का अधिकार प्रदान करेगी और यदि प्रतिभूतियों के मूल्य को प्राप्त करने में कोई कमी रह जाती हो, तो ऐसी कमी को पूरा करने की जिम्मेदारी मर्चेट बैंककार (बैंकर) पर होगी ।

(छ) यदि निलंब खाता बैंक गारंटी या मंजूर प्रतिभूतियों से बना हो, तो उन्हें मर्चेट बैंककार (बैंकर) द्वारा तब तक नहीं लौटाया जाएगा, जब तक विनियमों के तहत सभी बाध्यताएँ पूरी न हो जाएँ ।

(ज) जहाँ निलंब खाता बैंक गारंटी या जमा कराई गई मंजूर प्रतिभूतियों से बना हो, तो कंपनी स्वयं द्वारा विनियमों के तहत बाध्यताएँ पूरी करने के लिए जमानत (सिक्यूरिटी) के तौर पर, बैंक में कुल देय प्रतिफल (कन्सिडरेशन) की कम से कम एक प्रतिशत की नकद रकम जमा भी करेगी ।

(झ) प्रतिभूतियों के जिन धारकों ने प्रस्ताव स्वीकार किया हो उन सभी धारकों को प्रतिफल (कन्सिडरेशन) का भुगतान कर दिए जाने के बाद और बाय-बैंक की सभी औपचारिकताएँ पूरी कर लिए जाने के बाद, निलंब खाते में पड़ी रकम, गारंटी और प्रतिभूतियाँ (यदि कोई हों) कंपनी को वापस लौटा दी जाएंगी ।

(ञ) यदि कंपनी द्वारा विनियमों के तहत बाध्यताएँ पूरी नहीं की जातीं, तो बोर्ड प्रतिभूतियों के धारकों के हित में, निलंब खाते को (या तो पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से) जब्त (समपहृत) कर सकेगा ।

(xii) खंड (ज) के तहत जब्त (समपहृत) की गई रकम को प्रतिभूतियों के उन धारकों में आनुपातिक आधार पर वितरित किया जा सकेगा, जिन्होंने प्रस्ताव स्वीकार किया हो, और शेष रकम (यदि कोई हो) का इस्तेमाल निवेशक संरक्षण के लिए किया जाएगा ।

प्रस्ताव का बंद होना और प्रतिभूतियों के धारकों को भुगतान

10. (i) कंपनी, प्रस्ताव के बंद होने की तारीख के ठीक बाद, बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत निर्गमन बैंककार (बैंकर टू एन इश्यू) के यहाँ एक विशेष खाता खोलेगी और उसमें उतनी रकम जमा करेगी कि वह रकम और निलंब खाते में पड़ी रकम के नब्बे प्रतिशत को मिलाकर उतनी रकम हो जाए कि उससे इन विनियमों के अनुसार क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैंक) के प्रतिफल (कन्सिडरेशन) के रूप में समस्त देय रकम का भुगतान किया जा सके और इस प्रयोजनार्थ, वह निलंब खाते से पैसा अंतरित (ट्रांसफर) कर सकेगी ।

(ii) कंपनी, प्रस्ताव के बंद होने से सात कार्य-दिवसों के भीतर, प्राप्त प्रस्तावों का सत्यापन पूरा करेगी और प्रतिभूतियों के उन धारकों को प्रतिफल (पैसे / कन्सिडरेशन) का भुगतान करेगी, जिनका प्रस्ताव स्वीकार कर लिए गया हो और प्रतिभूतियों के धारकों को शेष शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ लौटा देगी ।

प्रमाणपत्रों को नष्ट आदि करना और प्रस्ताव को बंद किए जाने के संबंध में पालन संबंधी अन्य अपेक्षाएँ:

11. (i) कंपनी, इस प्रकार क्रय द्वारा वापस लिए गए (बाय-बैक किए गए) प्रतिभूति प्रमाणपत्रों को, शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को स्वीकार किए जाने की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर, निर्गम रजिस्ट्रार या मर्चेन्ट बैंककार (बैंकर) और कानूनी लेखापरीक्षक (स्टैट्यूटरी ऑडिटर) की मौजूदगी में, नष्ट आदि कर देगी:

परंतु यह कि कंपनी यह सुनिश्चित करेगी कि क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) की अवधि के समाप्त होने से सात दिनों के भीतर क्रय द्वारा वापस ली गई (बाय-बैक की गई) सभी प्रतिभूतियाँ नष्ट कर दी जाएँ।

स्पष्टीकरण: पंद्रह दिनों की उपरोक्त अवधि किसी भी दशा में बाय-बैक की अवधि के समाप्त होने के सात दिनों से अधिक नहीं बढ़ेगी।

(ii) क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) हेतु प्रस्तावित शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ यदि पहले ही गैर-कागज़ी रूप (डीमैट) में हों, तो उन्हें उसी तरीके से नष्ट आदि किया जाएगा जैसा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 1996 [सेबी (डिपॉज़िटरीज़ एंड पार्टिसिपेंट्स) रेग्यूलेशन्स, 1996], और उसके अधीन बनाई गई उप-विधियों (बाय-लॉज़), जारी किए गए परिपत्रों तथा जारी किए गए दिशानिर्देशों के तहत निर्धारित किया जाए।

(iii) कंपनी बोर्ड के पास एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगी, जिसमें यह प्रमाणित किया जाएगा कि ऊपर उप-विनियम (i) में निर्धारित अपेक्षाओं का पालन कर लिया गया है, और जिसे:

क) रजिस्ट्रार और जहाँ कोई रजिस्ट्रार न हो, वहाँ मर्चेन्ट बैंककार (बैंकर) द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित और सत्यापित किया जाएगा;

ख) कंपनी के दो निदेशकों द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित और सत्यापित किया जाएगा, जिनमें से एक प्रबंध निदेशक (मैनेजिंग डायरेक्टर) हो, यदि कंपनी में प्रबंध निदेशक होता हो; और

ग) कंपनी के कानूनी लेखापरीक्षक द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित और सत्यापित किया जाएगा,

यह प्रमाणपत्र बोर्ड के पास, प्रमाणपत्रों को नष्ट आदि किए जाने से सात दिनों के भीतर, प्रस्तुत किया जाएगा।

(iv) कंपनी उप-विनियम (i) के तहत नष्ट आदि किए गए प्रतिभूति प्रमाणपत्रों के विवरण, उन स्टॉक एक्सचेंजों के पास, प्रमाणपत्रों को नष्ट आदि किए जाने से सात दिनों के भीतर, प्रस्तुत करेगी, जहाँ कंपनी के शेयर सूचीबद्ध हों।

(v) जहाँ कंपनी इन विनियमों के तहत अपने शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेती (का बाय-बैक करती) हो, वहाँ वह इस प्रकार क्रय द्वारा वापस लिए गए (बाय-बैक किए गए) शेयरों या प्रतिभूतियों, क्रय द्वारा वापस लिए गए (बाय-बैक किए गए) शेयरों या प्रतिभूतियों हेतु अदा किए गए प्रतिफल (पैसा / कन्सिडरेशन), शेयरों या प्रतिभूतियों को रद्द किए जाने की तारीख, शेयरों या प्रतिभूतियों को नष्ट आदि किए जाने की तारीख और ऐसे ही अन्य विवरणों के संबंध में एक रजिस्टर रखेगी, जैसा कंपनी अधिनियम की धारा 68 की उप-धारा (9) में निर्धारित किया जाए।

ऑड-लॉट बाय-बैक

12. शेयर सौंपने के प्रस्ताव (टेंडर ऑफर) के माध्यम से क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक करने) से संबंधित प्रावधान (जिनका उल्लेख इस अध्याय में किया गया है), यथावश्यक परिवर्तन सहित, ऑड-लॉट शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों के प्रति लागू होंगे।

अध्याय-IV**खुले बाजार से क्रय द्वारा वापस लेना**

13. खुले बाजार (ओपन मार्केट) से अपने शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) का इरादा रखने वाली कंपनी इस अध्याय के प्रावधानों के अनुसार ऐसा करेगी।
14. खुले बाजार (ओपन मार्केट) से शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) के लिए निम्नलिखित में से कोई एक तरीका अपनाया जा सकता है:
- (क) स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से,
- (ख) बही-निर्माण प्रक्रिया।
15. कंपनी यह सुनिश्चित करेगी कि क्रय द्वारा वापस लिए जाने के लिए निर्धारित की गई रकम, जिसका उल्लेख, यथास्थिति, निदेशक मंडल के संकल्प (रेज़ोल्यूशन) या विशेष संकल्प में किया गया हो, की कम से कम पचास प्रतिशत रकम का उपयोग शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेने के लिए किया जाए।

स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से क्रय द्वारा वापस लेना

16. (i) बाय-बैक केवल उन्हीं स्टॉक एक्सचेंजों के माध्यम से किया जाएगा जिनके राष्ट्रव्यापी व्यापारिक (ट्रेडिंग) टर्मिनल हों;
- (ii) स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों का बाय-बैक संप्रवर्तकों (प्रमोटर्स) या कंपनी पर नियंत्रण रखने वाले व्यक्तियों से नहीं किया जाएगा।
- (iii) शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों का बाय-बैक केवल ऑर्डर-मिलान की व्यवस्था (ऑर्डर मैचिंग मैकेनिज़्म) [जिसमें ऑर्डर मिलान की 'ऑल ऑर नन' व्यवस्था शामिल नहीं है] के माध्यम से ही किया जाएगा;
- (iv) सार्वजनिक घोषणा के संबंध में प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र्स) संबंधी अपेक्षाएँ, दस्तावेज आदि दाखिल किए जाने संबंधी अपेक्षाएँ और समय-सीमाएँ:

क) कंपनी मर्चेन्ट बैंककार (बैंकर) को नियुक्त करेगी और उसी प्रकार सार्वजनिक घोषणा करेगी, जिस प्रकार शेयर सौंपने का प्रस्ताव (टेंडर ऑफर) के संबंध में विनियम 7 में उल्लेख किया गया है;

ख) सार्वजनिक घोषणा निदेशक मंडल का संकल्प पारित किए जाने की तारीख या विशेष संकल्प हेतु डाक मतपत्र के परिणाम घोषित किए जाने की तारीख (जो सुसंगत हो) से दो कार्य-दिवसों के भीतर की जाएगी, और जिसमें वे सभी प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) किए जाएंगे जिनका उल्लेख अनुसूची-IV में किया गया है;

ग) ऐसी सार्वजनिक घोषणा जारी करने के साथ-साथ, कंपनी **अनुसूची-V** में निर्धारित फीस के साथ बोर्ड के पास सार्वजनिक घोषणा की प्रति दाखिल करेगी;

घ) सार्वजनिक घोषणा में उन दलालों (ब्रोकर) और स्टॉक एक्सचेंजों के ब्यौरों से संबंधित प्रकटीकरण भी किए जाएंगे, जिनके माध्यम से शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लिया जाएगा;

स्पष्टीकरण: खुले बाजार से क्रय द्वारा वापस लिए जाने (बाय-बैक) के मामले में, बोर्ड के पास कोई भी प्रारूप प्रस्ताव-पत्र (ड्राफ्ट लेटर ऑफ ऑफर) / प्रस्ताव-पत्र (लेटर ऑफ ऑफर) दाखिल करने की जरूरत नहीं है।

स्टॉक एक्सचेंज में प्रस्ताव खोला जाना

17. (i) जब ऑर्डर डाला जाए, तब इलेक्ट्रॉनिक स्क्रीन पर कंपनी क्रेता के रूप में दिखाई दे;

(ii) क्रय द्वारा वापस लेने संबंधी प्रस्ताव (बाय-बैक ऑफर) सार्वजनिक घोषणा की तारीख से सात कार्य-दिवसों के भीतर ही खोला जाएगा और प्रस्ताव (ऑफर) खोले जाने की तारीख से छह महीनों के भीतर बंद कर दिया जाएगा।

खुले बाजार में स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से क्रय द्वारा वापस लेने हेतु बाद में अपेक्षाओं का पालन

18. (i) कंपनी क्रय द्वारा वापस लिए गए शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों से संबंधित जानकारी, स्टॉक एक्सचेंज को दैनिक आधार पर उस रूप में प्रस्तुत करेगी जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए, और स्टॉक एक्सचेंज उसे तुरंत अपने आधिकारिक वेबसाइट पर डालेगा (अपलोड करेगा);

(ii) कंपनी क्रय द्वारा वापस लिए गए शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों से संबंधित जानकारी अपने वेबसाइट पर दैनिक आधार पर डालेगी (अपलोड करेगी)।

19. कंपनी खुले बाजार में स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से अपने शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ (जो कागज़ी रूप में हों) को क्रय द्वारा वापस लेने के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया अपना सकेगी:

(i) शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ (जो कागज़ी रूप में हों) को क्रय द्वारा वापस लेने के संबंध में, स्टॉक एक्सचेंज द्वारा अलग से एक विंडो बनाई जाएगी, जो क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) की अवधि के दौरान खुली रहेगी।

(ii) दलाल (ब्रोकर) द्वारा पहचान के सबूत और पते के सबूत का सत्यापन किए जाने के बाद ही, कंपनी कागज़ी रूप में शेयर धारण करने वाले पात्र शेयरधारकों से शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ अलग विंडो [जिसका उल्लेख उप-विनियम (i) में किया गया है] के जरिए क्रय द्वारा वापस लेगी।

(iii) जिस कीमत पर शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लिया जाता हो, वह कीमत क्रय द्वारा वापस लिए गए शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों (जो कागज़ी रूप में न हों) की मात्रा भारित औसत कीमत (वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस) होगी (उस कलेंडर सप्ताह के दौरान जिसमें ऐसे शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ दलाल द्वारा प्राप्त की गई थीं):

परंतु यह कि क्रय द्वारा वापस लिए जाने के पहले कलेंडर सप्ताह के दौरान सौंपे गए शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों की कीमत पिछले कलेंडर सप्ताह के दौरान कंपनी के शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों की मात्रा भारत औसत कीमत होगी।

स्पष्टीकरण: यदि कलेंडर सप्ताह के दौरान सामान्य बाजार में किन्हीं शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस न लिया गया हो, तो उस पिछले सप्ताह पर विचार किया जा सकेगा, जब कंपनी ने शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को अंतिम बार क्रय द्वारा वापस लिया हो।

खुले बाजार में स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से क्रय द्वारा वापस लेने हेतु निलंब खाता (एस्क्रो अकाउंट)

20. (i) कंपनी, प्रस्ताव के खुलने से पहले, इन विनियमों के तहत अपनी बाध्यताओं को पूरा करने के लिए जमानत हेतु एक निलंब खाता (एस्क्रो अकाउंट) बनाएगी, और उस निलंब खाते में, यथास्थिति, निदेशक मंडल के संकल्प या विशेष संकल्प में बाय-बैक के लिए निर्धारित रकम का 25 प्रतिशत जमा करेगी।

(ii) उप-विनियम (i) में उल्लिखित निलंब खाता,-

क) किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक में जमा की गई नकदी के रूप में हो सकेगा; या

ख) किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक द्वारा मर्चेट बैंककार (बैंकर) के पक्ष में जारी की गई बैंक गारंटी के रूप में हो सकेगा।

स्पष्टीकरण: निलंब खाते में पड़ी नकदी को विनियम 9 के उप-विनियम (xi) के खंड (ग) के स्पष्टीकरण के अनुसार रखा जा सकेगा।

(iii) निलंब खाते के ऐसे हिस्से के लिए, जो अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक में नकदी जमा के रूप में हो, कंपनी खाता खोलते समय, मर्चेट बैंककार (बैंकर) को अधिकार प्रदान करेगी, जिसके अनुरूप वह बैंक को निलंब खाते में पड़ी रकम में से भुगतान करने का अनुदेश दे सके, ताकि क्रय द्वारा वापस लेने से जुड़ी बाध्यताएँ पूरी की जा सकें।

(iv) निलंब खाते के ऐसे हिस्से के लिए, जो बैंक गारंटी के रूप में हो:

क) वह मर्चेट बैंककार (बैंकर) के पक्ष में होगी और क्रय द्वारा वापस लिए जाने (बाय-बैक) की अवधि के समाप्त होने के बाद तीस दिनों की अवधि तक या इन विनियमों के तहत सभी बाध्यताओं को पूरा किए जाने तक, जो भी बाद में हो, मान्य रहेगी।

ख) वह विनियमों के तहत सभी बाध्यताओं को पूरा किए जाने तक मर्चेट बैंककार (बैंकर) द्वारा लौटाई नहीं जाएगी।

(v) जहाँ निलंब खाते का हिस्सा बैंक गारंटी के रूप में हो, वहाँ कंपनी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक के पास, यथास्थिति, निदेशक मंडल के संकल्प या विशेष संकल्प में बाय-बैक के लिए निर्धारित कुल रकम का कम से कम 2.5 प्रतिशत नकद रूप में जमा करेगी और जो विनियमों के तहत कंपनी द्वारा बाध्यताएँ पूरी किए जाने के लिए जमानत के तौर पर जमा की जाएगी।

(vi) निलंब खाते से शेयरधारकों को भुगतान करने के लिए रकम निकाली जा सकेगी, बशर्ते कि, यथास्थिति, निदेशक मंडल के संकल्प या विशेष संकल्प में बाय-बैक के लिए निर्धारित कुल रकम का कम से कम 2.5 प्रतिशत हर समय निलंब खाते में जमा रखा जाए।

(vii) विनियम 15 में उल्लिखित बाध्यता को पूरा किए जाने के बाद, निलंब खाते में पड़ी रकम और गारंटी, यदि कोई हो, कंपनी को वापस लौटा दी जाएगी।

(viii) विनियम 15 का पालन न किए जाने की दशा में, बोर्ड मर्चेट बैंककार (बैंकर) को निलंब खाता जब्त (समपहृत) करने के संबंध में निदेश दे सकेगा (यथास्थिति, निदेशक मंडल के संकल्प या विशेष संकल्प में बाय-बैंक के लिए निर्धारित रकम के अधिक से अधिक 2.5 प्रतिशत के अध्यक्षीन), उन मामलों को छोड़कर जहाँ,-

क) क्रय द्वारा वापस लेने की अवधि के दौरान कंपनी के शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों की मात्रा भारत औसत बाजार कीमत (वॉल्यूम वेटेड एवरेज मार्केट प्राइस) बाय-बैंक की कीमत से अधिक रही हो, जिसे स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा दी गई जानकारी (इनपुट) के आधार पर मर्चेट बैंककार (बैंकर) द्वारा प्रमाणित किया गया हो।

ख) कंपनी द्वारा डाले गए खरीद (क्रय) के सौदों के बावजूद पर्याप्त संख्या में बिक्री के सौदे नहीं डाले गए, जिसे स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर मर्चेट बैंककार (बैंकर) द्वारा प्रमाणित किया गया हो।

ग) ऐसी परिस्थितियाँ रही हों, जो कंपनी के नियंत्रण से परे थीं और जो बोर्ड की राय में भी सही हों।

(ix) इस विनियम के उप-विनियम (viii) में उल्लिखित बाध्यताएँ पूरी न होने पर जब्त की दशा में, जब्त की गई रकम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड की निवेशक संरक्षण और शिक्षण निधि (इन्वेस्टर प्रोटेक्शन एंड एज्यूकेशन फंड) में जमा की जाएगी।

खुले बाजार में स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से क्रय द्वारा वापस लेने के मामले में प्रमाणपत्रों को नष्ट किया जाना

21. (i) उप-विनियम (ii) और (iii) के प्रावधानों के अध्यक्षीन, शेयर सौंपने के प्रस्तावों के लिए प्रमाणपत्रों को नष्ट आदि किए जाने से संबंधित विनियम 11 के प्रावधान इस अध्याय के तहत प्रमाणपत्रों को नष्ट आदि किए जाने के संबंध में लागू होंगे।

(ii) कंपनी पे-आउट किए जाने के पंद्रह दिनों के भीतर स्वीकृतियों का सत्यापन पूरा करेगी।

(iii) कंपनी ने जिस महीने के दौरान इस तरह से प्रतिभूति प्रमाणपत्रों को क्रय द्वारा वापस लिया हो उन्हें, मर्चेट बैंककार (बैंकर) और कानूनी लेखापरीक्षक की मौजूदगी में, अगले महीने के पंद्रहवें दिन तक नष्ट आदि करेगी :

परंतु यह कि कंपनी यह सुनिश्चित करेगी कि क्रय द्वारा वापस ली गई सभी प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लिए जाने की अवधि के समाप्त होने के सात दिनों के भीतर नष्ट आदि कर दिया जाए।

बही-निर्माण के माध्यम से क्रय द्वारा वापस लेना

22. कंपनी बही-निर्माण (बुक-बिल्डिंग) प्रक्रिया के माध्यम से अपने शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस ले सकेगी, जैसा नीचे उल्लेख किया गया है:

(i) यथास्थिति, विशेष संकल्प या निदेशक मंडल का संकल्प विनियम 5 के अनुसार पारित किया जाएगा।

(ii) सार्वजनिक घोषणा के संबंध में प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र्स) संबंधी अपेक्षाएँ, दस्तावेज आदि दाखिल किए जाने संबंधी अपेक्षाएँ और समय-सीमाएँ:

(क) कंपनी मर्चेट बैंककार (बैंकर) को नियुक्त करेगी और उसी प्रकार सार्वजनिक घोषणा करेगी, जिस प्रकार विनियम 7 में उल्लेख किया गया है;

- (ख) सार्वजनिक घोषणा में प्रकटीकरण भी **अनुसूची-II** के अनुसार किए जाएंगे।
- (ग) सार्वजनिक घोषणा बाय-बैंक के प्रारंभ होने से कम से कम सात दिन पहले की जाएगी।
- (iii) इस उप-विनियम के खंड (क) और खंड (ख) के प्रावधानों के अध्वधीन, विनियम 9 के उप-विनियम (xi) के प्रावधान लागू होंगे:
- (क) निलंब खाते में जमा (डिपॉजिट) सार्वजनिक घोषणा की तारीख से पहले की जाएगी।
- (ख) निलंब खाते में जमा की जाने वाली रकम सार्वजनिक घोषणा में यथा उल्लिखित अधिकतम कीमत के संदर्भ में तय की जाएगी।
- स्पष्टीकरण:** निलंब खाते में पड़ी नकदी को विनियम 9 के उप-विनियम (xi) के खंड (ग) के स्पष्टीकरण के अनुसार रखा जा सकेगा।
- (iv) सार्वजनिक घोषणा की प्रति बोर्ड के पास, **अनुसूची-V** में यथा उल्लिखित फीस के साथ, ऐसी घोषणा किए जाने के दो दिनों के भीतर दाखिल की जाएगी।
- (v) सार्वजनिक घोषणा में बही-निर्माण प्रक्रिया के लिए अपनाई जाने वाली पद्धति का भी विस्तार से उल्लेख होगा और उसमें यह भी उल्लेख होगा कि स्वीकार कैसे किया जाएगा, उसमें सार्वजनिक घोषणा के अनुसरण में प्रतिभूतियों के धारकों द्वारा भेजा जाना वाला स्वीकृति का फॉर्मेट भी दिया जाएगा तथा उसमें बोली केन्द्रों के ब्यौरों का भी उल्लेख होगा।
- (vi) बही-निर्माण प्रक्रिया के लिए पारदर्शी इलेक्ट्रॉनिक सुविधा का इस्तेमाल किया जाएगा।
- (vii) बोली केन्द्रों की संख्या तीस से कम नहीं होगी और सभी केन्द्रों में कम से कम एक इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर टर्मिनल होगा।
- (viii) क्रय द्वारा वापस लेने हेतु प्रस्ताव प्रतिभूति धारकों के लिए कम से कम पंद्रह दिनों और अधिक से अधिक तीस दिनों की अवधि तक खुला रखा जाएगा।
- (ix) मर्चेन्ट बैंककार (बैंकर) और कंपनी प्राप्त हुई स्वीकृतियों के आधार पर बाय-बैंक की कीमत तय करेंगे।
- (x) बाय-बैंक की अंतिम कीमत, जो स्वीकार की गई अधिकतम कीमत होगी, उन सभी धारकों (होल्डर्स) को अदा की जाएगी जिनके शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैंक) के लिए स्वीकार कर लिए गए हों।
- (xi) स्वीकृतियों के सत्यापन से संबंधित विनियम 10 के उप-विनियम (ii) के प्रावधान और विशेष खाता खोलने तथा प्रतिफल (पैसा / कन्सिडरेशन) के भुगतान से संबंधित विनियम 10 के प्रावधान, यथावश्यक परिवर्तन सहित, लागू होंगे।

प्रमाणपत्रों को नष्ट आदि किया जाना

23. शेयर सौंपने के प्रस्ताव के लिए प्रमाणपत्रों को नष्ट आदि किए जाने से संबंधित प्रावधान, यथावश्यक परिवर्तन सहित, बही-निर्माण के माध्यम से क्रय द्वारा वापस लेने के संबंध में लागू होंगे।

अध्याय-V

सामान्य बाध्यताएँ

क्रय द्वारा वापस लेने की समस्त प्रक्रिया के संबंध में कंपनी की बाध्यताएँ

24. (i) कंपनी यह सुनिश्चित करेगी कि,-

- क) प्रस्ताव-पत्र (लेटर ऑफ ऑफर), प्रस्ताव की सार्वजनिक घोषणा या कोई अन्य विज्ञापन, परिपत्र (सर्कुलर), विवरणिका (ब्रोशर), प्रचार संबंधी सामग्री में सही, तथ्यपरक तथा महत्वपूर्ण जानकारी हो और जिनमें कोई भ्रामक जानकारी न हो तथा जिनमें यह उल्लेख अवश्य हो कि कंपनी के निदेशक ऐसे दस्तावेजों में दी गई जानकारी के प्रति जिम्मेदारी को स्वीकार करते हैं;
- ख) कंपनी इन विनियमों के तहत लाए जाने वाले प्रस्ताव के लिए बाय-बैक की अवधि समाप्त होने की तारीख तक कोई शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ जारी (जिसमें बोनस निर्गम के माध्यम से जारी करना भी शामिल है) न करे;
- ग) कंपनी प्रतिफल केवल नकद में ही अदा करे;
- घ) कंपनी बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव-पत्र (ड्राफ्ट लेटर ऑफ ऑफर) दाखिल किए जाने या क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) संबंधी प्रस्ताव की सार्वजनिक घोषणा किए जाने के बाद क्रय द्वारा वापस लेने संबंधी प्रस्ताव को वापस न ले;
- ङ) संप्रवर्तक (प्रोमोटर) या उसके/उनके सहयोगी (असोसिएट / सहयुक्त) कंपनी के शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों में स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से या बाजार से परे (ऑफ मार्केट), यथास्थिति, निदेशक मंडल का संकल्प या विशेष संकल्प पारित किए जाने की तारीख से प्रस्ताव (ऑफर) के बंद होने तक की अवधि के दौरान लेनदेन (डील) न करे, जिसमें संप्रवर्तकों के बीच आपस में किया जाने वाला अंतरण (ट्रांसफर) भी शामिल है;
- च) कंपनी बाय-बैक की अवधि समाप्त होने से एक वर्ष की अवधि तक और पूँजी न जुटाए, किंतु वह मौजूदा बाध्यताओं को पूरा करने के लिए ऐसा कर सकेगी।
- (ii) कंपनी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसरण में लाई जाने वाली समामेलन (अमैलगमेशन) या समझौता (कॉम्प्रोमाइज़) या इंतजाम (अरेंजमेंट) की किसी स्कीम के जारी रहने के दौरान, बाय-बैक की कोई भी सार्वजनिक घोषणा नहीं की जाएगी।
- (iii) कंपनी क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) संबंधी विनियमों के पालन के लिए और निवेशकों की शिकायतों के निवारण के लिए अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायन्स ऑफिसर) को नामित करेगी और निवेशक सहायता केन्द्र बनाएगी।
- (iv) नष्ट आदि किए गए प्रतिभूति प्रमाणपत्रों (सिक्यूरिटी सर्टिफिकेट्स) के विवरण कंपनी द्वारा प्रमाणपत्रों को नष्ट आदि किए जाने के सात दिनों के भीतर उन स्टॉक एक्सचेंजों को प्रस्तुत किए जाएंगे, जहाँ कंपनी के शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध (लिस्टेड) हों।
- (v) कंपनी रुद्ध (लॉक-इन) किए गए शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ और अनंतरणीय (नॉन-ट्रांसफरेबल) शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ तब तक क्रय द्वारा वापस नहीं लेगी, जब तक अवरुद्धता (लॉक-इन) जारी रहे अथवा जब तक शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ अंतरणीय (ट्रांसफरेबल) न हो जाएं।
- (vi) कंपनी बाय-बैक की अवधि के समाप्त होने के दो दिनों के भीतर राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र में सार्वजनिक विज्ञापन जारी करेगी, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, निम्नलिखित का प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) किया जाएगा:

- क) क्रय किए गए (खरीदे गए) शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ की संख्या;
- ख) वह कीमत जिस पर शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों का क्रय किया गया (खरीदा गया);
- ग) बाय-बैक में निवेश की गई कुल रकम;
- घ) उन प्रतिभूति धारकों (सिक्यूरिटीज़ होल्डर) के व्यौरे, जिनसे कुल शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों के एक प्रतिशत से अधिक शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लिया गया था; और
- ङ) क्रय द्वारा वापस लिए जाने के बाद और से पहले पूँजी संरचना (कैपिटल स्ट्रक्चर) और शेयरधारिता स्वरूप (शेयरहोल्डिंग पैटर्न) में होने वाले बदलाव।

(vii) कंपनी, इन विनियमों के अलावा, क्रय द्वारा वापस लिए जाने से संबंधित उन प्रावधानों का भी पालन करेगी, जिनका उल्लेख कंपनी अधिनियम और अन्य लागू कानूनी प्रावधानों में है।

मर्चेट बैंककार (बैंकर) की बाध्यताएँ

25. मर्चेट बैंककार (बैंकर) यह सुनिश्चित करेगा कि,-

- (i) कंपनी प्रस्ताव पूरा करने में समर्थ है;
- (ii) निलंब खाते से संबंधित प्रावधान का पालन कर लिया गया है;
- (iii) प्रस्ताव (ऑफर) के तहत बाध्यताओं को पूरा करने के लिए भुगतान हेतु पैसों के पक्के इंतजाम कर लिए गए हैं;
- (iv) बाय-बैक की सार्वजनिक घोषणा विनियमों के अनुसार की गई है;
- (v) प्रस्ताव-पत्र विनियमों के अनुसार दाखिल कर दिया गया है;
- (vi) पूरी तत्परता बरते जाने संबंधी प्रमाणपत्र (ड्यू डिलीजेंस सर्टिफिकेट) के साथ-साथ प्रारूप प्रस्ताव-पत्र (ड्राफ्ट लेटर ऑफ ऑफर) बोर्ड के पास प्रस्तुत कर दिया गया है;
- (vii) प्रस्ताव की सार्वजनिक घोषणा की और प्रस्ताव-पत्र की विषय-वस्तु सही, उचित तथा पर्याप्त है, और जहाँ कहीं भी जरूरी हो वहाँ स्रोत का उल्लेख भी कर दिया गया है;
- (viii) कंपनी अधिनियम की धारा 68, 69 तथा 70 और इस संबंध में किन्हीं अन्य कानूनी प्रावधानों या नियमों, जो भी लागू हों, का पूरा पालन कर लिया गया है;
- (ix) जिस बैंक के यहाँ निलंब राशि या विशेष राशि जमा की गई है, उसे कंपनी को तभी वापस लौटाया जाए जब कंपनी द्वारा विनियमों के तहत सभी बाध्यताओं को पूरा कर लिया जाए;
- (x) बाय-बैक की अवधि के समाप्त होने की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर बोर्ड के पास यथा निर्धारित फॉर्म में अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी जाए।

अध्याय-VI**विविध****निदेश जारी करने की बोर्ड की शक्ति**

26. (i) बोर्ड, कोई अन्य प्रवर्तन कार्रवाई [जिसमें अधिनियम की धारा 24 के तहत अभियोजन (प्रॉसीक्यूशन) शामिल है] शुरू करने के अपने अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, प्रतिभूतियों में निवेश करने वाले निवेशकों और प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) के हित में ऐसे निदेश दे सकेगा जो वह ठीक समझे, जिनमें शामिल हैं:

(क) संबंधित व्यक्ति को इन विनियमों या कंपनी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए क्रय द्वारा वापस ली गई किन्हीं प्रतिभूतियों को रद्द करने से प्रतिषिद्ध करना;

(ख) संबंधित व्यक्ति को इन विनियमों अथवा किसी अन्य कानून (विधि) या किन्हीं अन्य विनियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करके अर्जित किए गए शेयरों या अन्य प्रतिभूतियों को बेचने आदि का निदेश देना;

(ग) कंपनी को क्रय द्वारा वापस लेने के लिए बाद वाला प्रस्ताव लाने से रोकना ।

(ii) बोर्ड द्वारा जारी किए गए ऐसे निदेश की प्रति कंपनी रजिस्ट्रार को भी अग्रेषित की जाएगी ।

कठिनाइयों को दूर करने की बोर्ड की शक्ति

27. इन विनियमों के प्रावधानों की व्याख्या या इनके लागू होने के संबंध में किन्हीं कठिनाइयों को दूर करने के लिए, बोर्ड समय-समय पर स्पष्टीकरण या दिशानिर्देश (मार्गदर्शक सिद्धांत / गाइडलाइन्स) जारी कर सकेगा ।

विनियमों के कड़ाई से लागू होने के संबंध में छूट प्रदान करने की शक्ति

28. (i) बोर्ड, निवेशकों और प्रतिभूति बाजार के हित में, इन विनियमों की किसी अपेक्षा के कड़ाई से लागू होने के संबंध में छूट प्रदान कर सकेगा (उन प्रावधानों को छोड़कर, जो कंपनी अधिनियम से लिए गए हैं), यदि बोर्ड इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि:

(क) वह अपेक्षा प्रक्रिया-संबंधी अपेक्षा जैसी है; या

(ख) इस अपेक्षा से निवेशकों को अनावश्यक कठिनाई हो सकती है;

(ii) उप-विनियम (i) के तहत छूट प्राप्त करने के लिए, कंपनी बोर्ड के पास एक आवेदन दाखिल करेगी, जिसके साथ विधिवत रूप से हस्ताक्षरित शपथ-पत्र (एफिडेविट) लगाया जाएगा, जिसमें उन व्यौरों और कारणों का उल्लेख होगा जिनके आधार पर ऐसी छूट मांगी गई है।

(iii) कंपनी उप-विनियम (ii) के तहत उल्लिखित आवेदन के साथ, पचास हजार रुपये की अप्रतिदेय (लौटाई न जाने वाली) फीस अदा करेगी, जो बैंक खाते में एनईएफटी / आरटीजीएस / आईएमपीएस के जरिए सीधे जमा करके या भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमत किसी अन्य माध्यम से या बोर्ड के पक्ष में लिखे गए बैंकर चेक या मांग ड्राफ्ट (डिमांड ड्राफ्ट) [जो मुंबई में देय हो] के माध्यम से अदा की जाएगी ।

(iv) बोर्ड आवेदक को सुनवाई का उचित अवसर प्रदान करने के बाद और सभी संबंधित तथ्यों एवं परिस्थितियों पर विचार करने के बाद, जितना जल्दी हो सके, एक तर्कसंगत आदेश पारित करेगा जिसके अंतर्गत या तो मांगी गई छूट प्रदान की जाएगी या नामंजूर की जाएगी ।

निरसन और व्यावृत्तियाँ

29. (i) इन विनियमों के प्रवृत्त (लागू) होने की तारीख से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेना) विनियम, 1998 निरसित हो जाएंगे।

(ii) ऐसा निरसन हो जाने पर भी,-

(क) ऐसे निरसन से पूर्व, निरसित विनियमों के तहत की गई किसी बात या की गई किसी कार्रवाई अथवा किए जाने के लिए तात्पर्यित किसी बात या किसी कार्रवाई, जिसमें किसी प्रस्ताव-पत्र के संबंध में दी गई टिप्पणियाँ, बोर्ड द्वारा प्रदान की गई छूट, एकत्र की गई फीस, प्रारंभ किया गया कोई न्यायनिर्णयन (अड्जुडिकेशन), जाँच या अन्वेषण अथवा जारी की गई कारण बताओ सूचना शामिल है, के बारे में यह समझा जाएगा कि वह इन विनियमों के तत्स्थानी प्रावधानों के तहत की गई है;

(ख) निरसित विनियमों के पूर्व प्रवर्तन अथवा उनके तहत विधिवत रूप से की गई कोई भी बात आदि, निरसित विनियमों के तहत अर्जित, प्रोद्भूत या उपगत कोई अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता या दायित्व, निरसित विनियमों के किए गए किसी उल्लंघन के संबंध में लगाई गई कोई शास्ति (पेनल्टी), की गई जब्ती (समपहरण) या दिया गया दंड, अथवा उपरोक्तनुसार किसी ऐसे अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता, दायित्व, शास्ति, जब्ती या दंड की बाबत कोई अन्वेषण, विधिक कार्यवाही या उपचार, अप्रभावित रहेंगे, मानो कि निरसित विनियम कभी निरसित ही न हुए हों;

(ग) क्रय द्वारा वापस लेने संबंधी किसी प्रस्ताव, जिसके लिए निरसित विनियमों के तहत सार्वजनिक घोषणा की गई हो, को निरसित विनियमों के तहत जारी रखना होगा और पूरा करना होगा।

(iii) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेना) विनियम, 1998 के निरसन के पश्चात्, बोर्ड द्वारा बनाए गए किन्हीं अन्य विनियमों, उनके तहत जारी किए गए दिशानिर्देशों (मार्गदर्शक सिद्धांतों / गाइडलाइन्स) या परिपत्रों (सर्कुलर्स) में उनके किसी संदर्भ के बारे में यह समझा जाएगा कि वह इन विनियमों के तत्स्थानी प्रावधानों के प्रति एक संदर्भ है।

अनुसूची-I

[विनियम 5(iv)(ख)]

व्याख्यात्मक विवरण (एक्सप्लेनेटरी स्टेटमेंट) की विषय-वस्तु

- | |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>i) बोर्ड की उस बैठक की तारीख, जिसमें कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा क्रय द्वारा वापस लेने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी;</p> <p>ii) क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) की आवश्यकता;</p> <p>iii) बाय-बैक के तहत अपेक्षित अधिकतम रकम और कुल समादत्त पूँजी (पेड-अप कैपिटल) तथा खुली आरक्षतियों में उसका प्रतिशत ;</p> <p>iv) वह अधिकतम कीमत, जिस पर शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लिए जाने का प्रस्ताव है, और बाय-बैक की कीमत निकालने का आधार;</p> |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

- v) प्रतिभूतियों की अधिकतम संख्या, जितनी कंपनी क्रय द्वारा वापस लेने का प्रस्ताव करती है;
- vi) क्रय द्वारा वापस लेने के लिए अपनाई जाने वाली पद्धति, जिसका उल्लेख विनियम 4 के उप-विनियम (iv) में किया गया है,
- vii) (क) साधारण बैठक या निदेशक मंडल की बैठक बुलाए जाने की सूचना (नोटिस) की तारीख तक की स्थिति के अनुसार, संप्रवर्तक (प्रमोटर) की तथा संप्रवर्तकों के निदेशकों की (जहाँ संप्रवर्तक एक कंपनी हो) और उन व्यक्तियों की कुल शेयरधारिता जो कंपनी पर नियंत्रण रखते हों ;
- (ख) बोर्ड की बैठक [जिसमें क्रय द्वारा वापस लिए जाने (बाय-बैक) को मंजूरी दी गई थी] की तारीख से पहले के छह महीनों की अवधि से लेकर साधारण बैठक बुलाए जाने की सूचना (नोटिस) की तारीख तक व्यक्तियों, जिनमें ऊपर (क) में उल्लिखित व्यक्ति शामिल हैं, द्वारा खरीदे (क्रय किए) गए या बेचे गए शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों की कुल संख्या ;
- (ग) वह अधिकतम और न्यूनतम कीमत, जिस पर ऊपर (ख) में उल्लिखित खरीद (क्रय) और बिक्री की गई थी, और साथ ही सुसंगत तारीखें;
- viii) क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) के लिए संप्रवर्तकों और कंपनी पर नियंत्रण रखने वाले व्यक्तियों का शेयर या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियाँ सौंपे जाने का इरादा, (शेयरों अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों की संख्या, तारीखों और कीमत सहित अर्जन (एक्जिजिशन) के ब्यौरे दर्शाते हुए) ;
- ix) यह पुष्टिकरण कि जमाओं को वापस लौटाने, डिबेंचरों या अधिमानी शेयरों (प्रेफरेंस शेयर) के मोचन (रिडेंप्शन) अथवा किसी भी वित्तीय संस्था या बैंक को मीयादी ऋण (टर्म लोन) चुकाने में फिलहाल कोई चूक नहीं हुई है;
- x) यह पुष्टिकरण कि निदेशक मंडल ने कंपनी के कामकाज और संभावनाओं की पूरी जाँच पड़ताल कर ली है और यह कि उन्होंने यह राय कायम कर ली है कि -
- क) जिस तारीख को साधारण बैठक या निदेशक मंडल की बैठक बुलाई जाती है, उसके ठीक बाद ऐसे कोई कारण नहीं रहेंगे जिनके आधार पर कंपनी अपने ऋण न चुका पाए;
- ख) जहाँ तक उस तारीख के ठीक बाद के वर्ष के दौरान उसकी भावी संभावनाओं का संबंध है, उस वर्ष कंपनी के कारबार के प्रबंधन के संबंध में उनके इरादों के और वित्तीय संसाधनों (जो उनकी राय में कंपनी को उस वर्ष उपलब्ध रहेंगे) की मात्रा एवं स्वरूप के मद्देनज़र, कंपनी अपने दायित्वों (देयताओं) को पूरा करने में समर्थ होगी (जब कभी भी कोई देनदारी आदि बने) और उस तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर दिवालिया नहीं होगी; और
- ग) उपरोक्त प्रयोजनों से राय कायम करते समय, निदेशक देयताओं [जिनमें भावी और आकस्मिक देयताएँ (कन्टिन्जेंट लाइबिलिटीज़) शामिल हैं] पर गौर करेंगे, मानो कि कंपनी अधिनियम, 1956 या कंपनी अधिनियम या दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 (इन्सॉल्वेन्सी एंड बैंकरप्सी कोड, 2016) के प्रावधानों के तहत कंपनी का परिसमापन (को वाउंड-अप) किया जा रहा हो ;
- xi) कंपनी के लेखापरीक्षकों (ऑडिटर) द्वारा निदेशक मंडल को संबोधित रिपोर्ट, जिसमें यह उल्लेख किया जाए कि -

- क) उन्होंने कंपनी के कामकाज की स्थिति की जाँच कर ली है;
- ख) उनकी राय में जिन प्रतिभूतियों पर विचार किया जा रहा है, उनके लिए मंजूर की गई पूँजीगत भुगतान की रकम का निर्धारण सही तरीके से कर लिया गया है; और
- ग) निदेशक मंडल ने तर्कसंगत आधारों पर अपनी राय [जिसके बारे में खंड (x) में उल्लेख किया गया है] कायम की है, और यह कि कंपनी के कामकाज की स्थिति के मद्देनजर कंपनी उस तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर दिवालिया नहीं होगी।

अनुसूची-II

[विनियम 7(i) और विनियम 22(ii)(ख)]

शेयर सौंपे जाने संबंधी प्रस्ताव के माध्यम से और ऑड लॉट (होल्डर्स) से और खुले बाजार से (बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से) क्रय द्वारा वापस लेने के लिए की जाने वाली सार्वजनिक घोषणा में प्रकटीकरण

विवरण	विषय-वस्तु
सार्वजनिक घोषणा	<p>i) सार्वजनिक घोषणा पर तारीख डाली जाएगी और उस पर कंपनी के निदेशक मंडल की ओर से उसके प्रबंधक (मैनेजर) या सचिव (सेक्रेटरी), यदि कोई हो, द्वारा और कंपनी के कम से कम दो निदेशकों द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिनमें से एक प्रबंध निदेशक होगा (यदि कंपनी में प्रबंध निदेशक होता हो)।</p> <p>ii) सभी महत्वपूर्ण तथ्यों का पूरा-पूरा प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) किया जाएगा, जिसमें अनुसूची-I में उल्लिखित प्रकटीकरण भी शामिल हैं।</p>

अनुसूची-III

[विनियम 8(झ)(क)]

शेयर सौंपने के प्रस्ताव के माध्यम से और ऑड लॉट धारकों (होल्डर्स) से क्रय द्वारा वापस लेने के लिए प्रस्ताव-पत्र (लेटर ऑफ ऑफर) में प्रकटीकरण

विवरण	विषय-वस्तु
प्रस्ताव-पत्र	<p>प्रस्ताव-पत्र पर तारीख डाली जाएगी और उस पर कंपनी के निदेशक मंडल की ओर से उसके प्रबंधक (मैनेजर) या सचिव (सेक्रेटरी), यदि कोई हो, द्वारा और कंपनी के कम से कम दो निदेशकों द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिनमें से एक प्रबंध निदेशक होगा (यदि कंपनी में प्रबंध निदेशक होता हो)। प्रस्ताव-पत्र में, अन्यो के साथ-साथ, निम्नलिखित शामिल किए जाएंगे;</p> <p>i) अनुसूची-IV में यथा उल्लिखित प्रकटीकरण;</p>

	<p>ii) दावात्याग (डिस्क्लेमर) संबंधी खंड, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए;</p> <p>iii) रिकॉर्ड तिथि (रिकॉर्ड डेट) और प्रत्येक वर्ग में हकदारी के अनुसार बाय-बैक का अनुपात ।</p>
--	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

अनुसूची-IV

[विनियम 16(iv)(ख)]

खुले बाजार में स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से क्रय द्वारा वापस लेने के लिए सार्वजनिक घोषणा

विवरण	विषय-वस्तु
सार्वजनिक घोषणा	<p>i) सार्वजनिक घोषणा पर तारीख डाली जाएगी और उस पर कंपनी के निदेशक मंडल की ओर से उसके प्रबंधक (मैनेजर) या सचिव (सेक्रेटरी), यदि कोई हो, द्वारा और कंपनी के कम से कम दो निदेशकों द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिनमें से एक प्रबंध निदेशक होगा (यदि कंपनी में प्रबंध निदेशक होता हो) ।</p> <p>ii) सभी महत्वपूर्ण तथ्यों का पूरा-पूरा प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) किया जाएगा, जिसमें अनुसूची-I में उल्लिखित प्रकटीकरण भी शामिल हैं ।</p> <p>iii) अनुसूची-क में उल्लिखित प्रकटीकरणों के अलावा, निम्नलिखित प्रकटीकरण भी किए जाएंगे:</p> <p>i) क्रय द्वारा वापस लेने (बाय-बैक) के लिए शेयरधारकों की मंजूरी की तारीख, यदि लागू हो ;</p> <p>ii) न्यूनतम और अधिकतम प्रतिभूतियों की संख्या जिन्हें कंपनी क्रय द्वारा वापस लेने का प्रस्ताव करती है, पैसों (फंड) के स्रोत जिनसे बाय-बैक किया जाएगा और बाय-बैक में लगने वाला खर्चा आदि;</p> <p>iii) प्रस्ताव के खुलने से लेकर प्रमाणपत्रों को नष्ट आदि किए जाने तक की प्रस्तावित समय-सारणी;</p> <p>iv) क्रय द्वारा वापस लिए जाने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया और पद्धति ;</p> <p>v) कंपनी के बारे में संक्षिप्त जानकारी ;</p> <p>vi) पिछले 3 वर्षों की लेखापरीक्षित वित्तीय जानकारी और अग्रणी प्रबंधक (लीड मैनेजर) यह सुनिश्चित करेगा कि उसमें दिए हुए विवरण (लेखापरीक्षित विवरण और अलेखापरीक्षित विवरण) सार्वजनिक घोषणा की तारीख से 6 महीनों से अधिक पुराने न हों और साथ ही वित्तीय अनुपात, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए;</p>

स्पष्टीकरण: यह सुनिश्चित किया जाए कि अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों, यदि कोई प्रकट किए गए हों, कानूनी लेखापरीक्षकों द्वारा प्रमाणित किए जाएं / उनकी सीमित समीक्षा की जाए (उनका लिमिटेड रिव्यू किया जाए)।

vii) खोले गए निलंब खाते और उसमें जमा की गई रकम के ब्यौरे;

viii) सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के ब्यौरे और स्टॉक बाजार संबंधी आँकड़े (डाटा) :

क) पिछले तीन वर्षों के दौरान, कंपनी की प्रतिभूतियों (जिन्हें क्रय द्वारा वापस लिए जाने का प्रस्ताव हो) की उच्चतम, निम्नतम और औसत बाजार कीमतें ;

ख) सार्वजनिक घोषणा की तारीख से पहले के छह महीनों में मासिक उच्चतम और निम्नतम कीमतें ;

ग) ऊपर (क) एवं (ख) में उल्लिखित अवधि के दौरान जिन दिनों के दौरान संबद्ध स्टॉक एक्सचेंजों में उच्चतम और निम्नतम कीमतें दर्ज की गई थीं, उन दिनों के दौरान उन प्रतिभूतियों की संख्या जिनमें व्यापार हुआ हो (ट्रेडिंग हुई हो);

घ) ऊपर उल्लिखित स्टॉक बाजार संबंधी आँकड़े (डाटा), उन अवधियों के लिए अलग से दर्शाए जाएंगे जिन अवधियों के दौरान पूँजी संरचना (कैपिटल स्ट्रक्चर) में बदलाव दर्ज किया गया हो, और यह अवधि उस तारीख से शुरू होगी जब संबंधित स्टॉक एक्सचेंज पूँजी संरचना में हुए बदलाव को दर्ज कर ले [उदाहरण के लिए अधिकार रहित (एक्स-राइट्स) और बोनस रहित (एक्स-बोनस)] ;

ङ) निदेशक मंडल के संकल्प (जिसके माध्यम से बाय-बैक को मंजूरी प्रदान की गई हो) की तारीख से ठीक बाद की बाजार कीमत; और

च) सार्वजनिक घोषणा की तारीख से पहले के छह महीनों के दौरान प्रत्येक महीने में प्रतिभूतियों में हुए व्यापार (हुई ट्रेडिंग) की मात्रा, और उसके साथ संबंधित अवधियों के लिए कंपनी की प्रतिभूतियों की उच्चतम, निम्नतम और औसत कीमतों, किए गए कारबार की मात्रा से संबंधित ब्यौरों का भी उल्लेख किया जाएगा।

	<p>ix) मौजूदा पूँजी संरचना [पूर्णतः संदत्त (पेड) और अंशतः संदत्त प्रतिभूतियों की संख्या संहिता] और शेयरधारिता स्वरूप (शेयरहाल्लिंग पैटर्न) ;</p> <p>x) क्रय द्वारा वापस लेने के बाद पूँजी संरचना, जिसमें बकाया संपरिवर्तनीय लिखतों (कन्वर्टिबल इस्टूमेंट्स), यदि कोई हों, के व्यौरे शामिल हैं;</p> <p>xi) संप्रवर्तक तथा संप्रवर्तकों के निदेशकों की कुल शेयरधारिता (जहाँ संप्रवर्तक एक कंपनी हो) और उन व्यक्तियों की शेयरधारिता जो कंपनी पर नियंत्रण रखते हों;</p> <p>xii) सार्वजनिक घोषणा की तारीख से पहले के बारह महीनों की अवधि के दौरान खंड (xi) में उल्लिखित व्यक्तियों द्वारा खरीदे (क्रय किए) गए या बेचे गए शेयरों या अन्य निर्धारित प्रतिभूतियों की कुल संख्या; वह अधिकतम और न्यूनतम कीमत, जिस पर उपरोक्तानुसार खरीद (क्रय) और बिक्री की गई थी, और साथ ही सुसंगत तारीखें;</p> <p>xiii) कंपनी की आमदनी, सार्वजनिक धारिताओं (पब्लिक होल्लिंग), एनआरआई / एफआईआई आदि की धारिताओं, संप्रवर्तकों की धारिताओं पर बाय-बैक के संभावित प्रभाव और प्रबंध-मंडल की संरचना में किसी बदलाव के संबंध में प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण;</p> <p>xiv) प्राप्त कानूनी मंजूरीयों के व्यौरे ;</p> <p>xv) संग्रहण (कलेक्शन) केन्द्र और बोली केन्द्र;</p> <p>xvi) अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायन्स ऑफिसर) का नाम और निवेशक सेवा केन्द्रों के व्यौरे;</p> <p>xvii) ऐसे अन्य प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र), जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित किए जाएं ।</p>
--	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

अनुसूची-V

फीस

[विनियम 8(i)(ग), 16(iv)(ग) और 22(iv)]

प्रत्येक मर्चेट बैंककार (बैंकर) बोर्ड को, प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) या सार्वजनिक घोषणा की प्रति प्रस्तुत करते समय, फीस अदा करेगा जिसका उल्लेख नीचे किया गया है:

प्रस्ताव (ऑफर) का आकार	फीस (रुपये में)
दस करोड़ रुपये से कम या उसके बराबर	5,00,000/-

दस करोड़ रुपये से अधिक, किंतु एक हजार करोड़ रुपये से कम या उसके बराबर	प्रस्ताव के आकार का 0.5 प्रतिशत
एक हजार करोड़ रुपये से अधिक	5,00,00,000/- और एक हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्ताव के आकार के हिस्से का 0.125 प्रतिशत

फीस बैंक खाते में एनईएफटी / आरटीजीएस / आईएमपीएस के जरिए सीधे जमा करके या भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमत किसी अन्य माध्यम से या भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पक्ष में लिखे गए मांग ड्राफ्ट (डिमांड ड्राफ्ट) [जो मुंबई में देय हो] के माध्यम से अदा की जाएगी।

अजय त्यागी, अध्यक्ष

[विज्ञापन-III / 4 / असा. / 220 / 18]

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 11th September, 2018

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (BUY-BACK OF SECURITIES) REGULATIONS, 2018

No. SEBI/LAD-NRO/GN/2018/32.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 11 and section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) read with clause (f) of sub-section (2) of section 68 of the Companies Act, 2013, the Board hereby makes the following regulations, namely:-

CHAPTER I

PRELIMINARY

Short title and commencement

1. (i) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Buy-Back of Securities) Regulations, 2018.
- (ii) These regulations shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

Definitions

2. (i) In these regulations, unless the context otherwise requires:—
 - a) ‘Act’ means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
 - b) ‘associate’ includes a person,—
 - i) who directly or indirectly by himself or in combination with relatives, exercise control over the company or,
 - ii) whose employee, officer or director is also a director, officer or employee of company;
 - c) “Board” means the Securities and Exchange Board of India established under section 3 of the Act;
 - d) ‘Buyback period’ means the period between the date of board of directors resolution or date of declaration of results of the postal ballot for special resolution, as the case may be, to

authorize buyback of shares of the company and the date on which the payment of consideration to shareholders who have accepted the buyback offer is made;

- e) 'control' has the same meaning as defined in clause (e) of sub-regulation (1) of regulation (2) of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011;
- f) 'company' means a company as defined under the Companies Act, whose shares or other specified securities are listed on a Stock Exchange and which buys or intends to buy such shares or other specified securities in accordance with these regulations;
- g) 'Companies Act' means the Companies Act, 2013.
- h) 'insider' means an insider as defined in clause (g) of sub-regulation (1) of regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 2015;
- i) 'merchant banker' means a merchant banker as defined in clause (cb) of regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992 and registered under section 12 of the Act;
- j) 'odd lots' mean the lots of shares or other specified securities of a company, whose shares are listed on a recognised stock exchange, which are smaller than such marketable lots, as may be specified by the stock exchange;
- k) 'promoter' means promoter as defined in clause (s) of sub-regulation (1) of regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011;
- l) 'registrar' means a registrar to an issue and includes a share transfer agent, registered under section 12 of the Act;
- m) 'securities' mean securities as defined in clause (h) of section 2 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);
- (n) 'small shareholder' means a shareholder of a company, who holds shares or other specified securities whose market value, on the basis of closing price of shares or other specified securities, on the recognised stock exchange in which highest trading volume in respect of such securities, as on record date is not more than two lakh rupee;
- n) 'specified securities' includes employees' stock option or other securities as may be notified by the Central Government from time to time;

- o) 'statutory auditor' means an auditor appointed by a company under section 139 of the Companies Act;
 - p) 'stock exchange' means a stock exchange which has been granted recognition under section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);
 - q) 'tender offer' means an offer by a company to buy-back its own shares or other specified securities through a letter of offer from the holders of the shares or other specified securities of the company;
 - r) 'unpublished price sensitive information' has the same meaning as defined in clause (n) of sub-regulation (1) of regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 2015;
 - s) 'working day' means any working day of the Board.
- (ii) All other expressions unless defined herein shall have the same meaning as has been assigned to them under the Act or the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, or Companies Act or any statutory modification or re-enactment thereof, as the case may be.

CHAPTER II

CONDITIONS OF BUY-BACK

Applicability:

3. These regulations shall be applicable to buy-back of shares or other specified securities of a company in accordance with the applicable provisions of the Companies Act.

Conditions and requirements for buy-back of shares and specified securities:

4. (i) The maximum limit of any buy-back shall be twenty-five per cent or less of the aggregate of paid-up capital and free reserves of the company:
- Explanation:** In respect of the buy-back of equity shares in any financial year, the reference to twenty-five per cent in this regulation shall be construed with respect to its total paid-up equity capital in that financial year;
- (ii) The ratio of the aggregate of secured and unsecured debts owed by the company after buy-back shall not be more than twice the paid-up capital and free reserves.
- Provided** that if a higher ratio of the debt to capital and free reserves for the company has been notified under the Companies Act, 2013, the same shall prevail.
- (iii) All shares or other specified securities for buy-back shall be fully paid-up.
- (iv) A company may buy-back its shares or other specified securities by any one of the following methods:
- a) from the existing share holders or other specified securities holders on a proportionate basis through the tender offer;
 - b) from the open market through—
 - i) book-building process,
 - ii) stock exchange;

c) from odd-lot holders:

Provided that no offer of buy-back for fifteen per cent or more of the paid up capital and free reserves of the company shall be made from the open market.

- (v) A company shall not buy-back its shares or other specified securities so as to delist its shares or other specified securities from the stock exchange.
- (vi) A company shall not buy-back its shares or other specified securities from any person through negotiated deals, whether on or off the stock exchange or through spot transactions or through any private arrangement.
- (vii) A company shall not make any offer of buy-back within a period of one year reckoned from the date of expiry of buyback period of the preceding offer of buy-back, if any.
- (viii) A company shall not allow buy-back of its shares unless the consequent reduction of its share capital is effected.
- (ix) A company may undertake a buy-back of its own shares or other specified securities out of—
 - (a) its free reserves;
 - (b) the securities premium account; or
 - (c) the proceeds of the issue of any shares or other specified securities:

Provided that no such buy-back shall be made out of the proceeds of an earlier issue of the same kind of shares or same kind of other specified securities.

- (x) No company shall directly or indirectly purchase its own shares or other specified securities:
 - (a) through any subsidiary company including its own subsidiary companies;
 - (b) through any investment company or group of investment companies; or
 - (c) if a default is made by the company in the repayment of deposits accepted either before or after the commencement of the Companies Act, interest payment thereon, redemption of debentures or preference shares or payment of dividend to any shareholder, or repayment of any term loan or interest payable thereon to any financial institution or banking company:

Provided that the buy-back is not prohibited, if the default is remedied and a period of three years has lapsed after such default ceased to subsist.

General compliance and filing requirements for buy-back:

- 5.** (i) The company shall not authorise any buy-back (whether by way of tender offer or from open market or odd lot) unless:

- a) The buy-back is authorised by the company's articles;
- b) A special resolution has been passed at a general meeting of the company authorising the buy-back:

Provided that nothing contained in this clause shall apply to a case where the buy-back is, ten per cent or less of the total paid-up equity capital and free reserves of the company; and such buy-back has been authorised by the board of directors by means of a resolution passed at its meeting.

- (ii) Every buy-back shall be completed within a period of one year from the date of passing of the special resolution at general meeting, or the resolution passed by the board of directors of the company, as the case may be.

- (iii) The company shall, after expiry of the buy-back period, file with the Registrar of Companies and the Board, a return containing such particulars relating to the buy-back within thirty days of such expiry, in the format as specified in the Companies (Share Capital and Debentures) Rules, 2014.
- (iv) Where a special resolution is required for authorizing a buy-back, the explanatory statement to be annexed with the notice for the general meeting pursuant to section 102 of the Companies Act shall contain mandatory disclosures mentioned therein and the following disclosures:
 - a) Disclosures under sub-section 3 of section 68 of the Companies Act—
 - i) a full and complete disclosure of all material facts;
 - ii) the necessity for the buy-back;
 - iii) the class of shares or securities intended to be purchased under the buy-back;
 - iv) the amount to be invested under the buy-back; and
 - v) the time-limit for completion of buy-back.
 - b) Additional disclosures under these regulations as provided in **Schedule I**,
 - c) Provided that where the buy-back is through tender offer from existing securities holders , the explanatory statement shall contain the following additional disclosures:
 - i) the maximum price at which the buy-back of shares or other specified securities shall be made and whether the board of directors of the company is being authorised at the general meeting to determine subsequently the specific price at which the buy-back may be made at the appropriate time;
 - ii) if the promoter intends to offer his shares or other specified securities, the quantum of shares or other specified securities proposed to be tendered and the details of their transactions and their holdings for the last six months prior to the passing of the special resolution for buy-back including information of number of shares or other specified securities acquired, the price and the date of acquisition.
 - (v) A copy of the resolution passed at the general meeting under sub-section (2) of section 68 of the Companies Act shall be filed with the Board and the stock exchanges where the shares or other specified securities of the company are listed, within seven days from the date of passing of the resolution.
 - (vi) Where the buy-back is from open market either through the stock exchange or through book building, the resolution of board of directors shall specify the maximum price at which the buy-back shall be made:

Provided that where there is a requirement for the Special Resolution as specified in clause (b) of sub-regulation 1 of regulation 5 of these Regulations, the special resolution shall also specify the maximum price at which the buy-back shall be made.
 - (vii) A company, authorized by a resolution passed by the board of directors at its meeting to buy-back its shares or other specified securities under the proviso to clause (b) of sub-section (2) of section 68 of the Companies Act, shall file a copy of the resolution, with the Board and the stock exchanges, where the shares or other specified securities of the company are listed, within two working days of the date of the passing of the resolution.
 - (viii) No insider shall deal in shares or other specified securities of the company on the basis of unpublished price sensitive information relating to buy-back of shares or other specified securities of the company

CHAPTER III

BUY-BACK THROUGH TENDER OFFER

6. A company may buy-back its shares or other specified securities from its existing securities holders on a proportionate basis in accordance with the provisions of this Chapter:

Provided that fifteen per cent of the number of securities which the company proposes to buy-back or number of securities entitled as per their shareholding, whichever is higher, shall be reserved for small shareholders.

Disclosures, filing requirements and timelines for public announcement:

7. (i) The company which has been authorised by a special resolution or a resolution passed by the board of directors, as the case may be, shall make a public announcement within two working days from the date of declaration of results of the postal ballot for special resolution/board of directors resolution in at least one English National Daily, one Hindi National Daily and one Regional language daily, all with wide circulation at the place where the Registered Office of the company is situated and the said public announcement shall contain all the material information as specified in **Schedule II**.
- (ii) A copy of the public announcement along with the soft copy, shall also be submitted to the Board, simultaneously, through a merchant banker.

Disclosures, filing requirements and timelines for draft letter of offer

8. (i) The company shall within five working days of the public announcement file the following with the Board:
- a draft letter of offer, along with a soft copy, containing disclosures as specified in **Schedule III** through a merchant banker who is not associated with the company.
 - a declaration of solvency in specified form and in a manner provided in sub-section (6) of section 68 of the Companies Act.
 - fees specified in **Schedule V**.
- (ii) The Board may provide its comments on the draft letter of offer not later than seven working days of the receipt of the draft letter of offer:

Provided that in the event the Board has sought clarifications or additional information from the merchant banker to the buy-back offer, the period of issuance of comments shall be extended to the seventh working day from the date of receipt of satisfactory reply to the clarification or additional information sought:

Provided further that in the event the Board specifies any changes, the merchant banker to the buy-back offer and the company shall carryout such changes in the letter of offer before it is dispatched to the shareholders.

Offer procedure

9. (i) A company making a buy-back offer shall announce a record date in the public announcement for the purpose of determining the entitlement and the names of the security holders, who are eligible to participate in the proposed buy-back offer.
- (ii) The letter of offer along with the tender form shall be dispatched to the securities holders who are eligible to participate in the buy-back offer as per sub regulation (i), not later than five working days from the receipt of communication of comments from the Board.

Explanation: (a) Letter of Offer may also be dispatched through electronic mode in accordance with the provisions of the Companies Act.

- (b) On receipt of a request from any shareholder to receive a copy of the letter of offer in physical form, the

same shall be provided.

(c) The aforesaid shall be disclosed in the letter of offer.

(iii) Even if an eligible public shareholder does not receive the tender offer/offer form, he may participate in the buy-back offer and tender shares in the manner as provided by the Board.

(iv) An unregistered shareholder may also tender his shares for buy-back by submitting the duly executed transfer deed for transfer of shares in his name, along with the offer form and other relevant documents as required for transfer, if any.

(v) The date of the opening of the offer shall be not later than five working days from the date of dispatch of the letter of offer.

(vi) The offer for buy-back shall remain open for a period of ten working days.

(vii) The company shall facilitate tendering of shares by the shareholders and settlement of the same, through the stock exchange mechanism in the manner as provided by the Board.

(viii) The company shall accept shares or other specified securities from the securities holders on the basis of their entitlement as on record date.

(ix) The shares proposed to be bought back shall be divided into two categories; (a) reserved category for small shareholders and (b) the general category for other shareholders, and the entitlement of a shareholder in each category shall be calculated accordingly.

'Explanation: Holdings of multiple demat accounts would be clubbed together for identification of small shareholder if sequence of Permanent Account Number for all holders is matching. Similarly, in case of physical shareholders, if the sequence of names of joint holders is matching, holding under such folios should be clubbed together for identification of small shareholder.'

(x) After accepting the shares or other specified securities tendered on the basis of entitlement, shares or other specified securities left to be bought back, if any in one category shall first be accepted, in proportion to the shares or other specified securities tendered over and above their entitlement in the offer by securities holders in that category and thereafter from securities holders who have tendered over and above their entitlement in other category.

(xi) Escrow account

(a) The company shall, as and by way of security for performance of its obligations under the regulations, on or before the opening of the offer, deposit in an escrow account such sum as specified in clause (b);

(b) The escrow amount shall be payable in the following manner:

(i) if the consideration payable does not exceed Rupees 100 crores; 25 per cent of the consideration payable;

(ii) if the consideration payable exceeds Rupees 100 crores; 25 per cent upto Rupees 100 crores and 10 per cent thereafter.

(c) The escrow account referred to in this regulation shall consist of,

(i) cash deposited with a scheduled commercial bank, or

(ii) bank guarantee in favour of the merchant banker, or

(iii) deposit of acceptable securities with appropriate margin, with the merchant banker, or

(iv) a combination of (i), (ii) and (iii).

Explanation: The cash component of the escrow account may be maintained in an interest bearing account, provided that the merchant banker ensures that the funds are available at the time of making payment to shareholders.

(d) Where the escrow account consists of deposit with a scheduled commercial bank, the company shall, while opening the account, empower the merchant banker to instruct the bank to make payment the amount lying to the credit of the escrow account, as provided in the regulations.

- (e) Where the escrow account consists of a bank guarantee, such bank guarantee shall be in favour of the merchant banker and shall be valid until thirty days after the expiry of buyback period.
- (f) The company shall, in case the escrow account consists of securities, empower the merchant banker to realise the value of such escrow account by sale or otherwise and if there is any deficit on realisation of the value of the securities, the merchant banker shall be liable to make good any such deficit.
- (g) In case the escrow account consists of bank guarantee or approved securities, these shall not be returned by the merchant banker till completion of all obligations under the regulations.
- (h) Where the escrow account consists of bank guarantee or deposit of approved securities, the company shall also deposit with the bank in cash a sum of at least one per cent of the total consideration payable, as and by way of security for fulfillment of the obligations under the regulations by the company.
- (i) On payment of consideration to all the securities holders who have accepted the offer and after completion of all formalities of buy-back, the amount, guarantee and securities in the escrow, if any, shall be released to the company.
- (j) The Board in the interest of the securities holders may in case of nonfulfillment of obligations under the regulations by the company forfeit the escrow account either in full or in part.
- (xii) The amount forfeited under clause (j) may be distributed pro rata amongst the securities holders who accepted the offer and balance, if any, shall be utilised for investor protection.

Closure and payment to securities holders:

- 10.** (i) The company shall immediately after the date of closure of the offer, open a special account with a banker to an issue, registered with the Board and deposit therein, such sum as would, together with ninety per cent of the amount lying in the escrow account, make-up the entire sum due and payable as consideration for buy-back in terms of these regulations and for this purpose, may transfer the funds from the escrow account.

(ii) The company shall complete the verification of offers received and make payment of consideration to those holders of securities whose offer has been accepted and return the remaining shares or other specified securities to the securities holders within seven working days of the closure of the offer.

Extinguishment of certificate and other closure compliances:

- 11.** (i) The company shall extinguish and physically destroy the securities certificates so bought back in the presence of a registrar to issue or the Merchant Banker and the Statutory Auditor within fifteen days of the date of acceptance of the shares or other specified securities.

Provided that the company shall ensure that all the securities bought-back are extinguished within seven days of expiry of buy-back period.

Explanation: The aforesaid period of fifteen days shall in no case extend beyond seven days of expiry of buy-back period.

- (ii) The shares or other specified securities offered for buy-back if already dematerialised shall be extinguished and destroyed in the manner specified under the Securities and Exchange Board of India

(Depositories and Participants) Regulations, 1996, and the bye-laws, the circulars and guidelines framed thereunder.

(iii) The company shall, furnish a certificate to the Board certifying compliance as specified in sub-regulation (i) above, and duly certified and verified by:

- a) the registrar and whenever there is no registrar, by the merchant banker;
- b) two directors of the company, one of whom shall be a managing director, where there is one; and
- c) the statutory auditor of the company,

This certificate shall be furnished to the Board within seven days of extinguishment and destruction of the certificates.

(iv) The company shall furnish the particulars of the securities certificates extinguished and destroyed under sub-regulation (i), to the stock exchanges where the shares of the company are listed within seven days of extinguishment and destruction of the certificates.

(v) Where a company buys back its shares or other specified securities under these regulations, it shall maintain a register of the shares or securities so bought, the consideration paid for the shares or securities bought back, the date of cancellation of shares or securities, the date of extinguishing and physically destroying the shares or securities and such other particulars as may be prescribed in sub-section (9) of section 68 of the Companies Act.

Odd-lot buy-back

12. The provisions pertaining to buy-back through tender offer as specified in this Chapter shall be applicable mutatis mutandis to odd-lot shares or other specified securities.

CHAPTER IV

BUY-BACK FROM THE OPEN MARKET

13. A company intending to buy-back its shares or other specified securities from the open market shall do so in accordance with the provisions of this Chapter.

14. The buy-back of shares or other specified securities from the open market may be in any one of the following methods:

- (a) through stock exchange,
- (b) book-building process.

15. The company shall ensure that at least fifty per cent of the amount earmarked for buy-back, as specified in the resolution of the board of directors or the special resolution, as the case may be, is utilized for buying-back shares or other specified securities.

Buy-back through stock exchange

- 16.** (i) The buy-back shall be made only on stock exchanges having nationwide trading terminals;
- (ii) The buy-back of the shares or other specified securities through the stock exchange shall not be made from the promoters or persons in control of the company;
- (iii) The buy-back of shares or other specified securities shall be made only through the order matching mechanism except 'all or none' order matching system;

- (iv) Disclosures, filing requirements and timelines of public announcement:
 - a) The company shall appoint a merchant banker and make a public announcement as referred to in regulation 7 pertaining to tender offer;
 - b) The public announcement shall be made within two working days from the date of passing the board of directors resolution or date of declaration of results of the postal ballot for special resolution, as relevant and shall contain disclosures as specified in **Schedule IV**;
 - c) Simultaneously with the issue of such public announcement, the company shall file a copy of the public announcement with the Board along with the fees specified in **Schedule V**;
 - d) The public announcement shall also contain disclosures regarding details of the brokers and stock exchanges through which the buy-back of shares or other specified securities would be made;

Explanation: In case of the buy-back from open market, no draft letter of offer/ letter of offer is required to be filed with the Board.

Opening of the offer on stock exchange:

- 17.** (i) The identity of the company as a purchaser shall appear on the electronic screen when the order is placed;
- (ii) The buy-back offer shall open not later than seven working days from the date of public announcement and shall close within six months from the date of opening of the offer.

Subsequent compliances for open market buy-back through stock exchange:

- 18.** (i) The company shall submit the information regarding the shares or other specified securities bought-back, to the stock exchange on a daily basis in such form as may be specified by the Board and the stock exchange shall upload the same on its official website immediately;
- (ii) The company shall upload the information regarding the shares or other specified securities bought-back on its website on a daily basis.

19. A company may buy-back its shares or other specified securities in physical form in the open market through stock exchange by following the procedure as provided hereunder:

- (i) A separate window shall be created by the stock exchange, which shall remain open during the period of buy-back, for buy-back of shares or other specified securities in physical form.
- (ii) The company shall buy-back shares or other specified securities from eligible shareholders holding physical shares through the separate window specified in sub-regulation (i), only after verification of the identity proof and address proof by the broker.
- (iii) The price at which the shares or other specified securities are bought back shall be the volume weighted average price of the shares or other specified securities bought-back, other than in the physical form, during the calendar week in which such shares or other specified securities were received by the broker:

Provided that the price of shares or other specified securities tendered during the first calendar week of the buy-back shall be the volume weighted average market price of the shares or other specified securities of the company during the preceding calendar week.

Explanation: In case no shares or other specified securities were bought back in the normal market during calendar week, the preceding week when the company has last bought back the shares or other specified securities may be considered.

Escrow account for open market buy-back through stock exchange:

20. (i) The company shall, before opening of the offer, create an escrow account towards security for performance of its obligations under these regulations, and deposit in escrow account 25 per cent of the amount earmarked for the buy-back as specified in the resolution of the board of directors or the special resolution, as the case may be.

(ii) The escrow account referred to in sub-regulation (i) may be in the form of,—

- a) cash deposited with any scheduled commercial bank; or
- b) bank guarantee issued in favour of the merchant banker by any scheduled commercial bank.

Explanation: The cash component of the escrow account may be maintained in terms of Explanation to clause (c) of sub-regulation (xi) of regulation 9.

(iii) For such part of the escrow account as is in the form of a cash deposit with a scheduled commercial bank, the company shall while opening the account, empower the merchant banker to instruct the bank to make payment of the amounts lying to the credit of the escrow account, to meet the obligations arising out of the buy-back.

(iv) For such part of the escrow account as is in the form of a bank guarantee:

- a) the same shall be in favour of the merchant banker and shall be kept valid for a period of thirty days after the expiry of buyback period of the offer or till the completion of all obligations under these regulations, whichever is later.
- b) the same shall not be returned by the merchant banker till completion of all obligations under the regulations.

(v) Where part of the escrow account is in the form of a bank guarantee, the company shall deposit with a scheduled commercial bank, in cash, a sum of at least 2.5 per cent of the total amount earmarked for buy-back as specified in the resolution of the board of directors or the special resolution, as the case may be, as and by way of security for fulfillment of the obligations under the regulations by the company.

(vi) The escrow amount may be released for making payment to the shareholders subject to at least 2.5 per cent of the amount earmarked for buy-back as specified in the resolution of the board of directors or the special resolution, as the case may be, remaining in the escrow account at all points of time.

(vii) On fulfilling the obligation specified in regulation 15, the amount and the guarantee remaining in the escrow account, if any, shall be released to the company.

(viii) In the event of non-compliance with regulation 15, the Board may direct the merchant banker to forfeit the escrow account, subject to a maximum of 2.5 per cent of the amount earmarked for buy-back as specified in the resolution of the board of directors or the special resolution, as the case may be, except in cases where,—

- a) volume weighted average market price (VWAMP) of the shares or other specified securities of the company during the buy-back period was higher than the buy-back price as certified by the Merchant banker based on the inputs provided by the Stock Exchanges.
- b) sell orders were inadequate despite the buy orders placed by the company as certified by the Merchant banker based on the inputs provided by the Stock Exchanges.
- c) such circumstances existed which were beyond the control of the company and in the opinion of the Board merit consideration.

(ix) In the event of forfeiture for non-fulfillment of obligations specified in sub-regulation (viii) of this regulation, the amount forfeited shall be deposited in the Investor Protection and Education Fund of Securities and Exchange Board of India.

Extinguishment of certificates for open market buy-back through stock exchange:

21.(i) Subject to the provisions of sub-regulation (ii) and (iii), the provisions of regulation 11 pertaining to the extinguishment of certificates for tender offers shall apply for extinguishment of certificates under this Chapter.

(ii) The company shall complete the verification of acceptances within fifteen days of the payout.

(iii) The company shall extinguish and physically destroy the securities certificates so bought back during the month in the presence of a Merchant Banker and the Statutory Auditor, on or before the fifteenth day of the succeeding month:

Provided that the company shall ensure that all the securities bought-back are extinguished within seven days of expiry of buy-back period.

Buy-back through book building

22.A company may buy-back its shares or other specified securities through the book-building process as provided hereunder:

(i) The Special resolution or the board of directors resolution, as the case may be, shall be passed in accordance with regulation 5.

(ii) Disclosures, filing requirements and timelines for public announcement:

(a) The company shall appoint a merchant banker and make a public announcement as referred to in regulation 7.

(b) The disclosures in the public announcement shall also be in accordance with **Schedule II**.

(c) The public announcement shall be made at least seven days prior to the commencement of buy-back.

(iii) Subject to the provisions of clause (a) and clause (b) of this sub-regulation, the provisions of sub-regulation (xi) of regulation 9 shall apply:

(a) The deposit in the escrow account shall be made before the date of the public announcement.

(b) The amount to be deposited in the escrow account shall be determined with reference to the maximum price as specified in the public announcement.

Explanation: The cash component of the escrow account may be maintained in terms of the Explanation to clause (c) of sub-regulation (xi) of regulation 9.

(iv) A copy of the public announcement shall be filed with the Board within two days of such announcement along with the fees as specified in **Schedule V**.

(v) The public announcement shall also contain the detailed methodology of the book-building process, the manner of acceptance, the format of acceptance to be sent by the securities holders pursuant to the public announcement and the details of bidding centres.

(vi) The book-building process shall be made through an electronically linked transparent facility.

(vii) The number of bidding centers shall not be less than thirty and there shall be at least one electronically linked computer terminal at all the bidding centers.

(viii) The offer for buy-back shall remain open to the securities holders for a period not less than fifteen days and not exceeding thirty days.

(ix) The merchant banker and the company shall determine the buy-back price based on the acceptances received.

(x) The final buy-back price, which shall be the highest price accepted shall be paid to all holders whose

shares or other specified securities have been accepted for buy-back.

- (xi) The provisions of sub-regulation (ii) of regulation 10 pertaining to verification of acceptances and the provisions of regulation 10 pertaining to opening of special account and payment of consideration shall be applicable mutatis mutandis.

Extinguishment of certificates

23. The provisions pertaining to extinguishment of certificates for tender offer shall be applicable mutatis mutandis to the buy-back through book building.

CHAPTER V

GENERAL OBLIGATIONS

Obligations of the company for all buy-back procedure:

24.(i) The company shall ensure that,—

- a) the letter of offer, the public announcement of the offer or any other advertisement, circular, brochure, publicity material shall contain true, factual and material information and shall not contain any misleading information and must state that the directors of the company accept the responsibility for the information contained in such documents;
 - b) the company shall not issue any shares or other specified securities including by way of bonus till the date of expiry of buyback period for the offer made under these regulations;
 - c) the company shall pay the consideration only by way of cash;
 - d) the company shall not withdraw the offer to buy-back after the draft letter of offer is filed with the Board or public announcement of the offer to buy-back is made;
 - e) the promoter(s) or his/their associates shall not deal in the shares or other specified securities of the company in the stock exchange or off-market, including inter-se transfer of shares among the promoters during the period from the date of passing the resolution of the board of directors or the special resolution, as the case may be, till the closing of the offer.
 - f) the company shall not raise further capital for a period of one year from the expiry of buyback period, except in discharge of its subsisting obligations.
- (ii) No public announcement of buy-back shall be made during the pendency of any scheme of amalgamation or compromise or arrangement pursuant to the provisions of the Companies Act.
- (iii) The company shall nominate a compliance officer and investors service centre for compliance with the buy-back regulations and to redress the grievances of the investors.
- (iv) The particulars of the security certificates extinguished and destroyed shall be furnished by the company to the stock exchanges where the shares or other specified securities of the company are listed within seven days of extinguishment and destruction of the certificates.
- (v) The company shall not buy-back the locked-in shares or other specified securities and non-transferable shares or other specified securities till the pendency of the lock-in or till the shares or other specified securities become transferable.
- (vi) The company shall within two days of expiry of buy-back period issue a public advertisement in a national daily, inter alia, disclosing:
- a) number of shares or other specified securities bought;
 - b) price at which the shares or other specified securities bought;
 - c) total amount invested in the buy-back;

- d) details of the securities holders from whom shares or other specified securities exceeding one per cent of total shares or other specified securities were bought back; and
 - e) the consequent changes in the capital structure and the shareholding pattern after and before the buy-back.
- (vii) The company in addition to these regulations shall comply with the provisions of buy-back as contained in the Companies Act and other applicable laws.

Obligations of the merchant banker:

25. The merchant banker shall ensure that—

- (i) the company is able to implement the offer;
- (ii) the provision relating to escrow account has been complied with;
- (iii) firm arrangements for monies for payment to fulfill the obligations under the offer are in place;
- (iv) the public announcement of buy-back is made in terms of the regulations;
- (v) the letter of offer has been filed in terms of the regulations;
- (vi) a due diligence certificate along with the draft letter of offer has been furnished to the Board;
- (vii) the contents of the public announcement of offer as well as the letter of offer are true, fair and adequate and quoting the source wherever necessary;
- (viii) due compliance of sections 68, 69 and 70 of the Companies Act and any other laws or rules as may be applicable in this regard has been made;
- (ix) the bank with whom the escrow or special amount has been deposited releases the balance amount to the company only upon fulfillment of all obligations by the company under the regulations;
- (x) a final report is submitted to the Board in the form specified within fifteen days from the date of expiry of buyback period.

CHAPTER VI MISCELLANEOUS

Powers of the Board to issue directions

- 26.**(i) The Board may, without prejudice to its right to initiate any other enforcement action, including prosecution under section 24 of the Act, give such directions in the interest of investors in securities and the securities market, as it deems fit, including:
- (a) prohibiting the person concerned from cancelling any of the securities bought back in violation of the provisions of these regulations or the Companies Act;
 - (b) directing the person concerned to sell or divest the shares or other specified securities acquired in violation of the provisions of these regulations or any other law or regulations;
 - (c) restraining the company from making a further offer for buy-back;
- (ii) A copy of such direction issued by the Board shall also be forwarded to Registrar of Companies.

Power of the Board to remove difficulties

27. In order to remove any difficulties in the interpretation or application of the provisions of these regulations, the

Board may issue clarifications or guidelines from time to time.

Power to relax strict enforcement of the regulations.

28.(i) The Board may, in the interest of investors and the securities market, relax the strict enforcement of any requirement of these regulations except the provisions incorporated from the Companies Act, if the Board is satisfied that:

- (a) the requirement is procedural in nature; or
- (b) the requirement may cause undue hardship to investors;
- (ii) For seeking relaxation under sub-regulation (i), the company shall file an application with the Board, supported by a duly sworn affidavit, giving details and the grounds on which such relaxation has b
- (iii) The company shall along with the application referred to under sub-regulation (ii), pay a non-refundable fee of rupees fifty thousand, by way of direct credit in the bank account through NEFT/RTGS/IMPS or any other mode allowed by RBI or by way of a banker's cheque or demand draft payable in Mumbai in favour of the Board.
- (iv) The Board may after affording reasonable opportunity of being heard to the applicant and after considering all the relevant facts and circumstances, pass a reasoned order either granting or rejecting the relaxation sought as expeditiously as possible.

Repeal and savings

29.(i) The Securities and Exchange Board of India (Buy-Back of Securities) Regulations, 1998, shall stand repealed from the date on which these regulations come into force.

(ii) Notwithstanding such repeal,—

- (a) anything done or any action taken or purported to have been done or taken including comments on any letter of offer, exemption granted by the Board, fees collected, any adjudication, enquiry or investigation commenced or show-cause notice issued under the repealed regulations, prior to such repeal, shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these regulations;
- (b) the previous operation of the repealed regulations or anything duly done or suffered thereunder, any right, privilege, obligation or liability acquired, accrued or incurred under the repealed regulations, any penalty, forfeiture or punishment incurred in respect of any violation committed against the repealed regulations, or any investigation, legal proceeding or remedy in respect of any such right, privilege, obligation, liability, penalty, forfeiture or punishment as aforesaid, shall remain unaffected as if the repealed regulations has never been repealed;
- (c) any buy-back offer for which a public announcement has been made under the repealed regulations shall be required to be continued and completed under the repealed regulations.
- (iii) After the repeal of Securities and Exchange Board of India (Buy-Back of Securities) Regulations, 1998, any reference thereto in any other regulations made, guidelines or circulars issued thereunder by the Board shall be deemed to be a reference made to the corresponding provisions of these regulations.

SCHEDULE - I**[Regulation 5(iv)(b)]****Contents of the Explanatory Statement**

- | | |
|-------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| i) | Date of the Board meeting at which the proposal for buy-back was approved by the Board of Directors of the company; |
| ii) | Necessity for the buy-back; |
| iii) | Maximum amount required under the buy-back and its percentage of the total paid up capital and free reserves; |
| iv) | Maximum price at which the shares or other specified securities are proposed be bought back and the basis of arriving at the buy-back price; |
| v) | Maximum number of securities that the company proposes to buy- back; |
| vi) | Method to be adopted for buy-back as referred to in sub-regulation (iv) of regulation 4, |
| vii) | <p>(a) the aggregate shareholding of the promoter and of the directors of the promoters, where the promoter is a company and of persons who are in control of the company as on the date of the notice convening the General Meeting or the Meeting of the Board of Directors;</p> <p>(b) aggregate number of shares or other specified securities purchased or sold by persons including persons mentioned in (a) above from a period of six months preceding the date of the Board Meeting at which the buy-back was approved till the date of notice convening the general meeting;</p> <p>(c) the maximum and minimum price at which purchases and sales referred to in (b) above were made along with the relevant dates;</p> |
| viii) | Intention of the promoters and persons in control of the company to tender shares or other specified securities for buy-back indicating the number of shares or other specified securities, details of acquisition with dates and price; |
| ix) | A confirmation that there are no defaults subsisting in repayment of deposits, redemption of debentures or preference shares or repayment of term loans to any financial institutions or banks; |
| x) | <p>A confirmation that the Board of Directors has made a full enquiry into the affairs and prospects of the company and that they have formed the opinion-</p> <p>a) that immediately following the date on which the General Meeting or the meeting of the Board of Directors is convened there will be no grounds on which the company could be found unable to pay its debts;</p> <p>b) as regards its prospects for the year immediately following that date that, having regard to their intentions with respect to the management of the company's business during that year and to the amount and character of the financial resources which will in their view be available to the company during that year, the company will be able to meet its liabilities as and when they fall due and will not be rendered insolvent within a period of one year from that date; and</p> <p>c) in forming their opinion for the above purposes, the directors shall take into account the liabilities as if the company were being wound up under the provisions of the Companies Act, 1956 or Companies Act or the Insolvency and Bankruptcy Code 2016 (including prospective and contingent liabilities);</p> |
| xi) | A report addressed to the Board of Directors by the company's auditors stating that- |
| a) | they have inquired into the company's state of affairs; |

b)	the amount of the permissible capital payment for the securities in question is in their view properly determined; and
c)	the Board of Directors have formed the opinion as specified in clause (x) on reasonable grounds and that the company will not, having regard to its state of affairs, will not be rendered insolvent within a period of one year from that date.

SCHEDULE - II**[Regulation 7(i) and Regulation 22(ii)(b)]**

Disclosures in the Public Announcement for buy-back through tender offer and from odd lot holders and from the open market through book building process

Particulars	Content
Public Announcement	<p>i) The Public announcement shall be dated and signed on behalf of the Board of Directors of the company by its manager or secretary, if any, and by not less than two directors of the company one of whom shall be a managing director where there is one.</p> <p>ii) A full and complete disclosure of all material facts including the disclosures mentioned in Schedule I shall be made.</p>

SCHEDULE - III**[Regulation 8(i)(a)]**

Disclosures in the Letter of Offer for buy-back through tender offer and from odd lot holders

Particulars	Content
Letter of Offer	<p>The letter of offer shall be dated and signed on behalf of the Board of Directors of the company by its manager or secretary, if any, and by not less than two directors of the company one of whom shall be a managing director where there is one. The letter of offer shall, inter-alia, contain the following;</p> <p>i) Disclosures as mentioned in Schedule - IV;</p> <p>ii) Disclaimer Clause as may be specified by the Board;</p> <p>iii) Record date and ratio of buy-back as per the entitlement in each category.</p>

SCHEDULE - IV**[Regulation 16(iv)(b)]**

Public Announcement for Open Market Buy-Back through Stock Exchange

Particulars	Content
Public Announcement	<p>i) The Public announcement shall be dated and signed on behalf of the Board of Directors of the company by its manager or secretary, if any, and by not less than two directors of the company one of whom shall be a managing director where there is one.</p>

Particulars	Content
	<p>ii) A full and complete disclosure of all material facts including the disclosures mentioned in Schedule I.</p> <p>iii) In addition to the disclosures in Schedule A, the following disclosures shall be made:</p> <p>i) Date of shareholders' approval for buy-back, if applicable;</p> <p>ii) Minimum and maximum number of securities that the company proposes to buy-back, sources of funds from which the buy-back would be made and the cost of financing the buy-back;</p> <p>iii) Proposed time table from opening of offer till the extinguishment of the certificates;</p> <p>iv) Process and methodology to be adopted for the buy-back;</p> <p>v) Brief information about the company;</p> <p>vi) Audited Financial information for the last 3 years and the lead manager shall ensure that the particulars (audited statement and un-audited statement) contained therein shall not be more than more than 6 months old from the date of the public announcement together with financial ratios as may be specified by the Board; <i>Explanation:</i> Ensure that the un-audited financial results, if any disclosed, should be certified / limited review by statutory auditors.</p> <p>vii) Details of escrow account opened and the amount deposited therein;</p> <p>viii) Listing details and stock market data:</p> <p>a) high, low and average market prices of the securities of the company proposed to be bought back, during the preceding three years;</p> <p>b) monthly high and low prices for the six months preceding the date of the public announcement;</p> <p>c) the number of securities traded on the days when the high and low prices were recorded on the relevant stock exchanges during the period stated at (a) and (b) above;</p> <p>d) the stock market data referred to above shall be shown separately for periods marked by a change in capital structure, with such period commencing from the date the concerned stock exchange recognises the change in the capital structure.(e.g. when the securities have become ex-rights or ex-bonus) ;</p> <p>e) the market price immediately after the date of the resolution of the Board of directors approving the buy-back; and</p> <p>f) the volume of securities traded in each month during the six months preceding the date of the public announcement along with high, low and average prices of securities of the company, details relating to volume of business transacted should also be stated for respective periods.</p> <p>ix) Present capital structure (including the number of fully paid and partly paid securities) and shareholding pattern;</p>

Particulars	Content
	<p>x) The capital structure including details of outstanding convertible instruments, if any post buy-back;</p> <p>xi) Aggregate shareholding of the promoter group and of the directors of the promoters, where the promoter is a company and of persons who are in control of the company;</p> <p>xii) Aggregate number of shares or other specified securities purchased or sold by persons mentioned in clause xi above during a period of twelve months preceding the date of the public announcement; the maximum and minimum price at which purchases and sales referred to above were made along with the relevant dates;</p> <p>xiii) Management discussion and analysis on the likely impact of buy-back on the company's earnings, public holdings, holdings of NRIs/FIIs etc., promoters holdings and any change in management structure;</p> <p>xiv) Details of statutory approvals obtained;</p> <p>xv) Collection and bidding centres;</p> <p>xvi) Name of compliance officer and details of investors service centres;</p> <p>xvii) Such other disclosures as may be specified by the Board from time to time.</p>

SCHEDULE - V

FEES

[Regulation 8(i)(c), 16(iv)(c) and 22(iv)]

Every merchant banker shall while submitting the offer document or a copy of the public announcement to the Board, pay fees as set out below:

Offer Size	Fee (Rupees)
Less than or equal to rupees ten crore	5,00,000/-
More than rupees ten crore but less than or equal to rupees one thousand crore	0.5 per cent of the offer size
More than rupees one thousand crore	5,00,00,000/- plus 0.125 per cent of the portion of offer size in excess of rupees one thousand crore

The fees shall be payable by way of direct credit in the bank account through NEFT/RTGS/IMPS or any other mode allowed by RBI or by a demand draft in favour of Securities and Exchange Board of India at Mumbai.

AJAY TYAGI, CHAIRMAN

[ADVT.-III/4Exty./220/18]